04- ग्राम्य जीवन की कहानी बयां करता 'अनबूझे सपने'

05- मध्यकालीन भारतीय कला और अस्तित्व की लड़ाई

A Daily News Magazine
भोपाल
रविवार, 20 सितंबर, 2024

06- 10 महीने पहले जिला अस्पताल से रिटायर हुए थे...

07- समय के साथ सब बदला, रेखा ही नहीं बदली

भोपाल एवं इंदौर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष 22 अंक 52 नगर संस्करण, पृष्ठ -8, मूल्य रू.- 2 (डाक पंजीयन संख्याः म.प्र./भोपाल/4-391/2018-20)

सुबह सवेरे

subahsaverenews@gmailĐcom
facebookĐcom/subahsaverenews
wwwĐsubahsavereĐnews
twitterĐcom/subahsaverenews

दुनिया मेरे आगे

फोटो-गिरीश शर्मा

प्रधानमंत्री मोदी आज रीवा के हवाई अड्डे का करेंगे शुभारंभ

रीवा अंचल में पर्यटन के साथ निवेश को भी मिलेगा बढ़ावाः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के साथ मध्यप्रदेश को भी अनेक अनूठी सौगातें दी है, जिससे मध्यप्रदेश तेजी से विकसित राज्य की ओर अग्रसर हो रहा है। विकास की इसी

● **विंध्य क्षेत्र के लिये गेम चेंजर साबित होगा रीवा एयरपोर्ट**

कड़ी प्रधानमंत्री श्री मोदी विंध्य क्षेत्र को एयरपोर्ट की सौगात देने जा रहे हैं। रविवार 20 अक्टूबर विंध्य क्षेत्र के लिये ऐतिहासिक होगा। इस दिन प्रधानमंत्री श्री मोदी रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअल शुभारंभ करेंगे। रीवा एयरपोर्ट पूरे विंध्य क्षेत्र के लिये गेम चेंजर साबित होगा, इससे रीवा अंचल में पर्यटन के साथ निवेश को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रदेश का 6वां एयरपोर्ट, जिसे डीजीसीए ने दिया लायसेंस

मध्यप्रदेश के एक बड़े हिस्से के लिए यह अच्छी खबर है कि डायरेक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने रीवा एयरपोर्ट को लाइसेंस दे दिया है। इसके अंतर्गत अब यहां से एयरक्राफ्ट आसानी से उड़ान भर सकेंगे। भोपाल, जबलपुर, खजराहो, इंदौर और ग्वालियर के बाद रीवा प्रदेश का 6वां एयरपोर्ट है, जिसे डीजीसीए ने लाइसेंस दिया है। इस एयरपोर्ट पर उड़ानें शुरू होने से प्रदेश के 65 लाख से ज्यादा लोगों को फायदा होगा। साथ ही रीवा की सीमा से लगे उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ के लोगों को भी राहत मिलेगी।

उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे क्षेत्र भी होंगे लाभान्वित

उल्लेखनीय है कि रीवा से मऊगंज, सीधी, सतना, मैहर जिले सीधे जुड़े हुए हैं। इन जिलों के साथ ही उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा से लगे लोग भी काम के सिलसिले में रीवा आते हैं। रीवा की आबादी करीब 15 लाख, मऊगंज की 8 लाख, सीधी की 12 लाख, सिंगरौली की 12 लाख और सतना जिले की आबादी 18 लाख है। इन जिलों की जनता को रीवा एयरपोर्ट बनने से सीधा फायदा होगा। एयर कनेक्टिविटी होने से यहां विकास को भी रफ्तार मिलेगी। रीवा एयरपोर्ट सरकार की उड़ान (उड़े देश का आम नागरिक-UDAN) योजना के तहत बनाया गया है। इसका उद्देश्य विमान यात्रा को आम जनता के लिए आसान बनाना है। इससे छोटे शहरों के बीच एयर कनेक्टिविटी बेहतर होगी. इसके अलावा अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

सुप्रभात

गिल्ली को दूर तक डंडे से मारकर पहुंचाना
गेंद को सरपट सबसे तेज़ फेंकना
कुश्ती में अपने ख़ास दांव से पटखनी देना
पढ़ाई में अव्वल रहना
जग जीत लेने का स्वप्न देखना

दम तोड़ देती है हर होड़
रीत जाते हैं अधिकतर स्वप्न
उम्र बीतते
बिसर जाते हैं कीर्तिमान
अरुचिकर लगती हैं उपाधियां

रह जाती है उतनी ही आस
जीवन से
जितनी राह चलते
पथिक की प्यास
क्षीण हो जाती है सहजता
मन पर भार उठाते
सूखने लगता है रस स्पर्धाओं में

जब कुछ पा लेने की डोर
ढीली पड़ती है
जीवन अपनी पेंग बढ़ाता है।

-कौशलेंद्र सिंह

हिंसा के बाद बुलडोजर ऐक्शन की हो गई तैयारी

बहराइच के 23 घरों पर रातोंरात चिपकाया अतिक्रमण का नोटिस

सीएम योगी को एसटीएफ चीफ ने बताए क्षेत्र के हालात

बहराइच (एजेंसी)। बहराइच हिंसा का शनिवार को 7वां दिन है। सड़कों पर अभी भी सन्नाटा है। जगह-जगह फोर्स तैनात है। हालांकि, अब प्रशासन एक्शन में जुट गया। राम गोपाल की हत्या में मुख्य आरोपी अब्दुल हमीद के घर पर बुलडोजर चल सकता है। इसी घर में भगवा झंडा लहराने के दौरान राम गोपाल को गोली मारी गई थी। शुक्रवार रात को पीडब्ल्यूडी की ओर से महाराजगंज में 23 मकानों पर नोटिस चस्पा किए गए हैं। इनमें 20 मुस्लिम और 3 हिंदुओं के मकान हैं। प्रशासन ने 3 दिन का वक्त दिया है। नोटिस का जवाब न मिलने पर बुलडोजर कार्रवाई हो सकती है। यह वही जगह है जहां से मूर्ति विसर्जन के दौरान हिंसा की शुरुआत हुई थी। हालांकि, पीडब्ल्यूडी ने एक बयान जारी कहा- महाराजगंज में पहले भी अतिक्रमण हटाया गया था। दोबारा रोड किनारे अतिक्रमण हो गया। इसे हटाया जाएगा। जिन 23 घरों में नोटिस चस्पा किए गए हैं, उनमें हिंसा के आरोपियों में एक नाम है।

मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने 'सड़क और पुल निर्माण में उभरती नवीनतम प्रवृत्तियों और तकनीकों' पर केंद्रित 2 दिवसीय सेमिनार का शुभारंभ किया

खराब सड़क पर सोशल मीडिया पर लोग हमें ठोंकते हैंः श्री गडकरी

भोपाल (नप्र)। भोपाल के रवींद्र भवन में पीडब्ल्यूडी और इंडियन रोड कांग्रेस की सेमिनार हो रही है। केंद्रीय मंत्री गडकरी और सीएम डॉ. मोहन यादव ने सेमिनार का शुभारंभ किया। सेमिनार सड़क और पुल निर्माण में उभरते नए ट्रेंड और

तकनीकों पर केंद्रित है।

केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने यहां अपने संबोधन में इंजीनियर्स से कहा कि विभाग का मंत्री होने के नाते अच्छे काम का क्रेडिट हमें मिलता है लेकिन जब सड़क पर गड्ढे होते हैं तो डिसक्रेडिट भी मिलता है। सोशल मीडिया में लोग हमें ठोंकते हैं। आगे-पीछे कुछ नहीं देखते। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने गलत डीपीआर बनाने वालों पर तंज कसते हुए कहा कि एक-एक को पद्मश्री और पद्म भूषण मिलना चाहिए। इतने गंदे काम हो सकते हैं इंजीनियरिंग प्वाइंट ऑफ व्यू से सोचिए जरा।

ये डीपीआर वाले तो महान लोग हैं- गडकरी ने कहा कि बेंगलुरू से चेन्नई एक्सप्रेस वे हाईवे हेलिकॉप्टर से देख रहा था। तीन बड़े-बड़े टॉवर रोड पर दिखे। उसको उठाने के लिए तीन-चार सौ करोड़ खर्च कर रहे हैं। मेरे साथ मध्यप्रदेश के अच्छे अधिकारी थे। पांडे करके। मैंने कहा- पांडे जी, तुमने आईआईटी पास किया है ना। तुमको समझ में नहीं आता कि ये टॉवर थे रास्ता थोड़ा सरका देते तो ये चार सौ करोड़ काहे के लिए खर्च होता। बोले- साहब! आप सही हैं। डीपीआर बनाने वालों की गलती है।

ये डीपीआर वाले तो इतने महान लोग हैं कि एक-एक जन को पद्मश्री और पद्म विभूषण ही देना चाहिए। मुख्यमंत्री से कहूंगा कि आप अपने यहां इंजीनियरिंग कॉलेज के विद्यार्थियों से कहो कि ये डीपीआर चेक करो। उनका अनुभव भी बढ़ेगा और क्रॉस चेक भी होगा।

ग्रीन हाइवे बनाने का काम कीजिए- 40 प्रतिशत पॉल्यूशन रोड वाले करते हैं। हमें गंभीरता से सोचना चाहिए। जो पेड़ ऑक्सीजन ज्यादा छोड़ते हैं उन्हें लगाइए। हमने 70 हजार पेड़ ट्रांसप्लांट किए। आप भी ग्रीन हाईवे बनाइए।

निर्माण कार्यों में प्रयुक्त प्रभावी तकनीक पर गौर करना तथा उनसे प्रेरणा लेना भी आवश्यक हैः सीएम यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि सड़कों तथा अधोसंरचना के निर्माण में प्रयुक्त हो रही नवीन तकनीक और विधाओं पर विचार-विमर्श के दौरान प्राचीन काल में हुए निर्माण कार्यों में प्रयुक्त प्रभावी तकनीक पर गौर करना तथा उनसे प्रेरणा लेना भी आवश्यक है। राजा भोज द्वारा एक हजार साल पहले बनाया गया भोपाल का बड़ा ताल मितव्ययता के साथ प्रभावी जल प्रबंधन का अनूठा उदाहरण है। सम्राट अशोक और सम्राट विक्रमादित्य के काल के सिक्कों पर बनी मार्गों के चिन्ह उस काल में सड़कों की महत्ता को दर्शाते हैं।

खाड़ी देशों में तेरह हजार पीएफआई मेंबर्स हैं ऐक्टिव

ईडी का आरोप-इन्हें करोड़ों के फंड जुटाने का है टारगेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ 2 साल से चल रही ईडी की जांच में नए खुलासे हुए हैं। ईडी ने शुक्रवार को बताया कि पीएफआई के सिंगापुर और खाड़ी देशों में 13 हजार से ज्यादा ऐक्टिव मेंबर्स हैं, जिन्हें करोड़ों रुपए के फंड जुटाने की जिम्मेदारी मिली हुई है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, पीएफआई ने खाड़ी देशों में रह रहे प्रवासी मुस्लिम समुदाय के लिए डिस्ट्रिक्ट एग्जीक्यूटिव कमेटियां बनाई हैं। इन्हीं कमेटियों को फंड जुटाने की जिम्मेदारियां दी गई थीं। ईडी ने बताया कि विदेशों से जुटाए करोड़ों के फंड को अलग-अलग बैंकिंग चैनलों के साथ-साथ हवाला के माध्यम से भारत भेजा जाता था, ताकि इस फंड को ट्रेस न किया जा सके। यह फंड भारत में बैठे पीएफआई के

अधिकारियों और आतंकियों तक आतंकी घटनाओं को अंजाम देने के लिए पहुंचाया जाता था। सितंबर 2022 में देशभर में पीएफआई के ठिकानों पर एनआईए और ईडी ने छापा मारा था। इसमें पीएफआई से जुड़े कई नेताओं को गिरफ्तार किया गया था। इन पर यूएपीए के तहत कार्रवाई की गई थी। छापेमारी के बाद केंद्र सरकार ने 2022 से पीएफआई संगठन को बैन कर दिया था। ईडी तब से पीएफआई के खिलाफ जांच कर रही है।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 36.3 °c

न्यूनतम 30°c

सुबह सवेरे

भोपाल ■ रविवार, 20 अक्टूबर 2024

जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।

चाणक्य नीति

6 दिन में अब तक 50 से ज्यादा विमानों में बम की धमकियां, 80 करोड़ का नुकसान

बम की धमकी के बाद 30 फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन एयरलाइंस की 30 से ज्यादा फ्लाइट में शनिवार को बम होने की धमकी मिली। इसमें इंडिगो, एअर इंडिया, अकासा, विस्तारा, स्पाइसजेट, स्टार एअर और एलायंस एयर शामिल हैं। पिछले एक हफ्ते में 50 से ज्यादा विमानों को बम की धमकी मिल चुकी है, ये सभी झूठी साबित हुई। इन धमकियों की वजह से एयरलाइंस को अब तक 80 करोड़ रुपए का नुकसान हो चुका है। लगातार मिल रही धमकियों के बीच केंद्र सरकार ने 16 अक्टूबर को फ्लाइट्स में एयर मार्शलों की संख्या को दोगुना करने का फैसला किया था। गृह मंत्रालय ने भी एविएशन मिनिस्ट्री से रिपोर्ट मांगी है। न्यूज एजेंसी के मुताबिक, इंडिगो की 3 फ्लाइट्स को बम की धमकी मिली

है। इसमें दिल्ली और मुंबई से इस्तांबुल जा रही इंडिगो भी शामिल हैं। इसके अलावा विस्तारा की उदयपुर से मुंबई जाने वाले विमान को भी धमकी मिली थी। इन सभी विमानों की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। हालांकि, शनिवार को 20 से ज्यादा विमानों को धमकी मिली है, लेकिन सभी की डिटेल सामने नहीं आई है। लंदन और दुबई जा रही फ्लाइट में बम की धमकी शुक्रवार की देर रात एअर इंडिया एक्सप्रेस और विस्तारा एयरलाइंस की एक-एक फ्लाइट में बम होने की धमकी दी गई। इनमें से दिल्ली से लंदन जा रही विस्तारा की फ्लाइट को फ्रैंकफर्ट डायवर्ट किया गया। जबकि 189 पैसेंजर्स को लेकर दुबई जयपुर आ रही एअर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान की जयपुर में रात 1:40 बजे इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। जांच में दोनों ही विमानों में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला। मुंबई पुलिस ने एक को अरेस्ट किया मुंबई की पुलिस ने फ्लाइट में बम रखने की झूठी खबर फैलाने के मामले में एक को गिरफ्तार किया है।

शनिवार को 15 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की मिली धमकी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो, एअर इंडिया और अकासा की 15 फ्लाइट्स को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। यह आंकड़ा सिर्फ शनिवार का है। इस वजह से कई फ्लाइट्स की इमरजेंसी लैंडिंग करवानी पड़ी है। पिछले कई दिनों से कई विमानों को ऐसी ही धमकियां लगातार मिल रही है, केंद्र ने भी अपने स्तर पर जांच शुरू कर दी है। लेकिन आज शनिवार को बड़े स्तर पर कई एयरलाइन्स को ऐसी धमकी जिस वजह से हड़कंप मच गया। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडिगो को उसकी पांच इटरनेशनल फ्लाइट्स के लिए धमकी मिली है जिसमें कई नंबर शामिल है। एयरलाइन ने एक जारी बयान में कहा है कि वो हर जरूरी कदम उठाएगी और अधिकारियों से लगातार संपर्क साध रही है। जानकारी तो यह भी मिली है कि इंडिगो की 6ए 17 फ्लाइट मुंबई से इस्तानबुल जा रही थी। वहीं 6ए 184 फ्लाइट जोधपुर से दिल्ली के लिए निकली थी। लेकिन दोनों ही विमानों की इमजरेंसी लैंडिंग हुई है।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा के पंचकूला में खाई में गिरी स्कूल बस

15 बच्चे घायल

पंचकूला (एजेंसी)। हरियाणा के पंचकूला में शनिवार दोपहर पंजाब से मोरनी हिल्स जा रही बच्चों से भरी स्कूल बस खाई में पलट गई। हादसे में बस के ड्राइवर के अलावा 10 से 15 बच्चे घायल हो गए। बच्चे स्कूल ट्रिप पर मोरनी हिल्स जा रहे थे। सभी बच्चों को मोरनी

के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। गंभीर घायल बच्चों को पंचकूला के सेक्टर-6 स्थित अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। बस ड्राइवर विनोद छाबड़ा के दोनों पैरों में फ्रैक्चर है। उन्हें चंडीगढ़ पीजीआई रेफर किया गया है। अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हादसा कैसे हुआ। पुलिस की टीमें जांच कर रही हैं।

मणिपुर में उग्रवादियों ने गांव पर बम फेंके

फायरिंग जारी

इम्फाल (एजेंसी)। मणिपुर के जिरिबाम जिले में एक बार फिर हिंसा भड़की है। बोरोबेकरा इलाके के एक गांव में उग्रवादियों ने शनिवार सुबह 5 बजे फायरिंग कर दी। बोरोबेकरा पुलिस ने बताया कि उग्रवादियों ने गांव में बम भी फेंके हैं। सूचना मिलने पर पुलिस और

सीआरपीएफ की टीमें मौके पर पहुंची हैं। उग्रवादियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग लगातार जारी है। फिलहाल हमले में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। बुजुर्गों, महिलाओं और बच्चों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। पुलिस ने बताया कि बोरोबेकरा जिरिबाम टाउन से 30 किमी दूर है। इस इलाके में घने जंगल और पहाड़ हैं और यहां पहले भी गोलीबारी हो चुकी है।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में दो आतंकी गिरफ्तार

3 ग्रेनेड और 1 पिस्तौल भी बरामद

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के पुंछ में शनिवार सुबह सुरक्षाबलों ने 2 आतंकियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से 3 ग्रेनेड और 1 पिस्तौल भी बरामद की गई है। सेना के अधिकारियों ने बताया ये दोनों जम्मू-कश्मीर गजनवी फोर्स नाम के संगठन से जुड़े हाइब्रिड आतंकी हैं। हाइब्रिड आतंकी आम नागरिकों

की तरह ही इलाके में रहते हैं, लेकिन चोरी-छिपे आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होते हैं या आतंकियों की सहायता करते हैं। इन्हें पहचानना मुश्किल हो जाता है। जम्मू पुलिस के डीसीपी आनंद जैन ने कहा कि पूछताछ में पता चला कि दोनों आतंकी ने मंदिर, सेना के ठिकानों और एक अस्पताल पर ग्रेनेड फेंकने की प्लानिंग कर रहे थे।

रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय कृषि विभाग द्वारा विश्व खाद्य दिवस पर एक दिवसीय कार्यशाला आयोजित हुई

भोपाल। रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में विश्व खाद्य दिवस पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला विश्वविद्यालय के उद्यानिकी विभाग, कृषि शोध संस्थान एवं कृषि संकाय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुई। जिसमे 'खाद्य सुरक्षा- चुनौतियां और समाधान' विषय पर विस्तृत चर्चा की गयी। कार्यक्रम में बतौर मुख्य वक्ता डॉ. पूजा सिंह, उप निदेशक, कृषि विभाग, मध्य प्रदेश शासन, इंजी. डी. एल. रायकवार, पूर्व डीजीएम, बीइएम एल (मिनिस्ट्री ऑफ़ डिफेंस गवर्नमेंट ऑफ़ इंडिया) डॉ. संजीव गुप्ता, डीन एकेडमिक, डॉ. एच. डी. वर्मा, डीन, कृषि संकाय और डॉ. अशोक कुमार वर्मा, सहायक डीन विशेष रूप से उपस्थित थे।

इस मौके पर डॉ. पूजा सिंह उप निदेशक, कृषि विभाग, मध्य प्रदेश शासन ने 'मध्य प्रदेश-भारत की खाद्य टोकरी' के विषय मे फल, सब्जियों एव खाद्यन पर एक महत्वपूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रसंस्करण उद्योग कृषि उत्पादों को बेहतर तरीके से संरक्षित

करने और उनकी गुणवत्ता को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसके उपरांत इंजी. डी. एल. रायकवार ने 'मशरूम का उत्पादन एवं मूल्य संवर्धन' पर एक विशेष व्याख्यान प्रस्तुत किया। मशरूम उत्पादन के क्षेत्र में हो रही प्रगति और इसकी संभावनाओं पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि यह एक ऐसा उद्योग है, जो कम पूंजी और सीमित संसाधनों के साथ शुरू किया जा सकता है। डॉ. एच. डी. वर्मा, डीन, कृषि संकाय ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि यह दिन सिर्फ कृषि और खाद्य क्षेत्र के लिए नहीं, बल्कि पूरे समाज के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया की प्रतिवर्ष हजारों करोड़ों का खाद्यान एवं उद्यानिकी उत्पाद खराब होते हैं, जिसको संरक्षित करने की अवश्यकता है। इसके बाद डॉ. संजीव गुप्ता, डीन एकेडमिक ने मध्य प्रदेश में कृषि की वर्तमान स्थिति एव कृषि संकाय के सफलता के आयामों पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के दौरान छात्रों के बीच कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग से संबंधित एक क्विज़ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों में से प्रथम, द्वितीय, तृतीय पुरस्कार विजेताओं की घोषणा कर उन्हें पुरस्कृत किया गया। इस कार्यशाला के दौरान फूड प्रोसेसिंग एवं हाईटेक कस्टम हायरिंग सेंटर की तकनिकी के बारे में अवगत कराया गया।

कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर डॉ. अशोक कुमार वर्मा, सहायक डीन ने कार्यशाला की भूमिका रखी। कार्यक्रम का सयोंजन डॉ. शुभम कुमार कुलश्रेष्ठ, प्रमुख, उद्यानिकी विभाग और डॉ. बलवीर सिंह, सहायक प्रोफेसर, उद्यानिकी विभाग द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. मनोहर सरयाम, सहायक प्रोफेसर ने किया। अंत में डॉ. शुभम कुमार कुलश्रेष्ठ ने कार्यक्रम में शामिल सभी गणमान्य अतिथियों, वक्ताओं, शिक्षकों और छात्रों को इस आयोजन को सफल बनाने के लिए आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में कृषि क्षेत्र से जुड़े कई प्रतिष्ठित विशेषज्ञ, प्राध्यापक, छात्र एवं छात्राएं शामिल हुए।

राहुल बोले, महिलाएं दफ्तरों में अब सिम्बॉलिक पद न लें

- उन्हें अपने हक के लिए लड़ना चाहिए, आजकल सिर्फ विचारधाराओं की लड़ाई होती है

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को दिल्ली में शक्ति अभियान की मीटिंग में महिलाओं से कहा कि महिलाओं को ऑफिस में केवल को महिला संख्या दिखाने वाले सिम्बॉलिक पद स्वीकार नहीं करने चाहिए। उन्हे अपने हक के लिए लड़ना चाहिए और बड़े पदों की मांग करनी चाहिए। राहुल ने महिलाओं से कहा कि आज की राजनीति में केवल पॉलिटिकल पार्टियों की ही लड़ाई नहीं होती है, बल्कि आज की राजनीति अलग-अलग विचारधाराओं की लड़ाई बन गई है। उन्होंने कहा कि आज राजनीति में लड़ाई सिर्फ सत्ता के लिए नहीं बल्कि लीडरशिप के लिए भी है। दरअसल, शक्ति अभियान महिलाओं का एक संगठन है। इसमें अलग-अलग क्षेत्र में अच्छा प्रदर्शन करने वाली महिलाएं शामिल होती हैं। यह मीटिंग शनिवार और रविवार को भी जारी रहेगी। राहुल बोले- मैं महिलाओं के अधिकारों के साथ हूं राहुल ने मीटिंग में कहा कि इंदिरा फेलोशिप जमीनी स्तर की महिला नेताओं के एक मजबूत नेटवर्क को खड़ा करने में मदद कर रहा है।

जम्मू-कश्मीर को स्टेटहुड के प्रस्ताव को एलजी की मंजूरी

उमर दो दिन में पीएम मोदी से मिलेंगे, डिप्टी सीएम बोले-केंद्र वादा पूरा करे

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के प्रस्ताव को उपराज्यपाल ने शनिवार को मंजूरी दे दी। गुरुवार को राज्य के दर्जे की बहाली के लिए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की कैबिनेट ने प्रस्ताव पास किया था। डिप्टी सीएम सुरिंदर कुमार चौधरी ने कहा, केंद्र को अपना वादा पूरा करना चाहिए और राज्य का दर्जा बहाल करना चाहिए, यह हमारा अधिकार है। हम वही मांग रहे हैं जो उन्होंने पहले ही वादा किया था। इस मांग को लेकर उमर अब्दुल्ला 2 दिन में दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात करेंगे। दरअसल, केंद्र सरकार ने 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने के साथ ही प्रदेश का पूर्ण राज्य का दर्जा खत्म करते हुए उसे दो यूनियन टेरिटरी (जम्मू-कश्मीर और लद्दाख) में बांट दिया था। उमर ने

विधानसभा चुनाव के दौरान भी कहा था कि कैबिनेट की पहली मीटिंग में ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने के प्रस्ताव को मंजूर किया जाएगा। 16 अक्टूबर को सीएम पद की शपथ लेने के बाद अगले दिन ही उन्होंने प्रस्ताव पास किया। कैबिनेट की मीटिंग में डिप्टी सीएम सुरिंदर चौधरी, मंत्री सकीना मसूद इटू, जावेद अहमद राणा, जाविद अहमद डार और सतीश शर्मा भी मौजूद थे। पीडीपी ने उमर कैबिनेट के फैसले को लेकर कहा कि यह हमारे लिए बड़ा झटका है। उमर सरकार ने स्टेटहुड बहाली का प्रस्ताव क्यों पारित किया। 370 की बहाली पर भी फैसला करना चाहिए था। पीडीपी के विधायक वहीद पर्रा ने शुक्रवार को कहा- उमर अब्दुल्ला का राज्य के दर्जे पर प्रस्ताव पारित करना 5 अगस्त, 2019 के केंद्र के फैसले का समर्थन करने से कम नहीं है। उमर ने 370 को बहाल करने के वादे पर ही वोट मांगे थे। प्रस्ताव को उपराज्यपाल के माध्यम से केंद्र सरकार को भेजा जाएगा।

हिज्बुल्लाह ने नेतन्याहू के निजी आवास पर किया ड्रोन अटैक

आईडीएफ बोला-

होम टाउन सिसेरिया में हमला, इजराइली पीएम और परिवार मौजूद नहीं था

तेल अवीव (एजेंसी)। हिजबुल्लाह ने शनिवार को इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के होम टाउन सिसेरिया में ड्रोन अटैक किया। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, आईडीएफ ने हमले की पुष्टि की है। आईडीएफ ने कहा कि इस ड्रोन अटैक में पीएम नेतन्याहू का निजी आवास निशाने पर था। हमले के वक्त नेतन्याहू और उनकी पत्नी सारा घर पर नहीं थे। ड्रोन सिसेरिया की एक इमारत पर गिरा। कोई हताहत नहीं हुआ है। इजराइली डिफेंस फोर्स ने कहा कि शनिवार को लेबनान से इजराइल पर 3 ड्रोन दागे गए।

इजराइली फोर्सेस ने 2 ड्रोन को मार गिराया। अटैक के बाद गिलोट सैन्य अड्डे पर अलार्म बजने लगे। आईडीएफ ने माना है कि उनका एयर डिफेंस सिस्टम हमले को रोकने में विफल रहा। उन्होंने कहा कि वे ड्रोन घुसपैठ की जांच कर रहे हैं। आईडीएफ ने कहा कि पिछले एक घंटे में (भारतीय समय से दोपहर 1 से 2 बजे के बीच) लेबनान से उत्तरी इजराइल पर लगभग 55 रॉकेट दागे गए हैं। कुछ को रोक लिया गया है जबकि कई खुले इलाके में गिरे हैं। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के मुताबिक हमले में कम से कम 9 लोग घायल हुए हैं। इजराइली हमले में हमास चीफ याह्या सिनवार की मौत के बाद पहली बार ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्लाह अली खामेनेई का बयान आया है। टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक उन्होंने कहा है कि याह्या सिनवार की मौत के बाद भी हमास खत्म नहीं हुआ है। सिनवार अपने शहीद दोस्तों के पास चले गए हैं।

महाराष्ट्र में एनडीए के बीच सीट शेयरिंग फाइनल

शाह के घर 2 घंटे चली बैठक, भाजपा 155 सीटों पर लड़ेगी

नई दिल्ली/मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग को लेकर शुक्रवार देर रात अमित शाह के घर एनडीए के घटक दलों की ढाई घंटे बैठक चली। इसमें मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस और डिप्टी सीएम अजित पवार शामिल हुए। बैठक में राज्य की 288 विधानसभा सीटों पर भाजपा, शिवसेना शिंदे और एनसीपी अजित गुट में सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा 155, शिवसेना शिंदे गुट

78 और एनसीपी अजित पवार गुट 55 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी। बैठक में छोटी पार्टियों को भी कुछ सीटें दिए जाने पर सहमति बनी। कुछ सीटों को लेकर पेंच अमित शाह के निर्देश के बाद राज्य स्तर पर सुलझाया जाएगा। दिल्ली में अमित शाह से मुलाकात के बाद दोनों उप मुख्यमंत्री, देवेंद्र फडणवीस और अजित पवार महाराष्ट्र लौट आए हैं, जबकि मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के अभी भी दिल्ली में होने की खबर है। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा को अपने कोटे से छोटी पार्टियों को सीट देनी है। किसी पार्टी के पास जिताऊ उम्मीदवार नहीं होने की स्थिति में 5 जगह प्लस-माइनस किया जा सकता है। भाजपा आज 106 नामों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है।

झारखंड में 70 सीटों पर मिलकर लड़ेगी कांग्रेस और जेएमएम

राजद को 7 सीटें, 4 पर फैसला नहीं, राहुल गांधी रांची पहुंचे

रांची (एजेंसी)। कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा के बीच सीटों के बंटवारे को लेकर सहमति बन गई है। सीएम हेमंत सोरेन और कांग्रेस के झारखंड प्रभारी गुलाम अहमद मीर सहित कई नेताओं ने संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा- कांग्रेस और जेएमएम 70 सीटों पर मिलकर चुनाव लड़ेगी, बाकी बची सीटों के लिए जल्द ही जानकारी साझा की जाएगी। सीएम हेमंत सोरेन ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा- अन्य सीटों के लिए मंथन किया जाएगा। हमारे साथ वाम दल भी जुड़ रहे हैं उनके साथ भी सीट साझा की जाएगी। राजद को 7 सीट देने पर सहमति बनी है। होटल रेडिसन ब्लू में राजद की बैठक चल रही है। मीटिंग खत्म होने के बाद उनका पक्ष क्या आता है, इसके बाद आगे की बात सामने आएगी। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी आज झारखंड दौरे हैं। वे रांची एयरपोर्ट से सीधे रेडिसन ब्लू होटल पहुंचे हैं। जानकारी के मुताबिक, झारखंड

चुनाव को लेकर वे प्रदेश कांग्रेस के नेताओं के साथ मीटिंग की। मीटिंग के बाद राहुल गांधी सीधे शौर्य सभागार में आयोजित संविधान वाले कार्यक्रम में शामिल हुए और फिर यहां से निकलकर सीधा एयरपोर्ट चले गए। इन दोनों ही जगह के कार्यक्रम में मीडिया की एंट्री नहीं रही। इसी होटल में बिहार के नेता प्रतिपक्ष और राजद नेता तेजस्वी यादव अपने पार्टी कार्यकर्ताओं पदाधिकारी के साथ मीटिंग कर रहे थे। वहीं, जानकारी के मुताबिक, सीएम हेमंत सोरेन भी रेडिसन ब्लू होटल पहुंच गए हैं। ऐसे में तीनों नेताओं के बीच सीट शेयरिंग को लेकर बातचीत हो गई है। कांग्रेस नेता मीर ने कहा कि जेएमएम के अलावा इंडिया गठबंधन के घटक दल राजद के नेताओं से भी शुक्रवार की सुबह उनकी बात हुई है। सब कुछ ठीक है। कहीं परेशानी वाली बात नहीं है। इंडिया गठबंधन में नए पार्टनर से भी बात होनी है। सूत्रों का कहना है कि गुरुवार की रात सीएम आवास पर कांग्रेस नेत सीएम से मिले।

धान, ज्वार और बाजरा उपार्जन के लिए 6 जिलों में किसान पंजीयन 21 अक्टूबर तक

भोपाल (नप्र)। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि किसानों की मांग पर 6 जिलों में समर्थन मूल्य पर धान, ज्वार और बाजरा के उपार्जन के लिए किसान पंजीयन की अवधि 21 अक्टूबर तक बढ़ा दी गई है। किसान पंजीयन की अवधि नर्मदापुरम, रीवा, सतना, सिंगरौली, दमोह और बैतूल जिले के लिए बढ़ाई गई है।

गौरतलब है कि पूरे प्रदेश में 7 लाख 66 हजार से अधिक किसान पंजीयन कर चुके हैं। मोटे अनाज का उपार्जन 22 नवंबर और धान का उपार्जन 2 दिसंबर से किया जाएगा।

दुकानों पर रख सकेंगे 100किमी पटाखा, शर्त पर 1100 लाइसेंस

भोपाल में टीन शेड, फायर सेफ्टी सिस्टम होने पर ही मिलेगी अनुमति; 20 बड़ी दुकानें भी लगेंगी

भोपाल (नप्र)। भोपाल में 1100 से ज्यादा पटाखा दुकानें लगेंगी। 20 दिन के लिए इनमें सिर्फ 100 किलो पटाखा ही रख सकेंगे। दुकानों के लिए टीन शेड बने हैं या नहीं और फायर सेफ्टी के कितने इंतजाम है, ये जानने के बाद ही लाइसेंस दिए जाएंगे। हलालपुरा, बैरसिया रोड की 20 थोक दुकानों पर 500 किलो पटाखा रखने की परमिशन दी जाएगी।

राजधानी में पटाखा कारोबारियों से अस्थायी दुकानों के लाइसेंस के लिए एमपी ऑनलाइन से आवेदन बुलाए थे। अब तक भोपाल जिले से 1114 लाइसेंस के लिए आवेदन मिले हैं। 500 किलो के पटाखों की 20 आवदेन आए हैं। होशंगाबाद रोड पर 11, करोंद में 2 और भानपुर की एक दुकान शामिल हैं। थोक कारोबारियों के लिए सालभर का लाइसेंस लेना होगा। जिले में 20 थोक दुकानें हैं। इनमें हलालपुरा 15, होशंगाबाद, रेलवे फाटक करोंद, बैरसिया रोड में 1-1 और ग्राम बैरसिया में दो दुकानें है।

एम्स, अलकापुरी-डीआरएम स्टेशन पर पहुंचे मेट्रो एमडी

भोपाल में मेट्रो प्रायोरिटी कॉरिडोर का निरीक्षण; प्लेटफॉर्म, शेड-कंट्रोल रूम भी देखा

भोपाल (नप्र)। भोपाल के हबीबगंज नाका और डीआरएम तिराहे पर 600 टन वजनी दो स्टीज ब्रिज की लॉन्चिंग के बाद अब पूरा फोकस मेट्रो स्टेशनों पर है। भोपाल मेट्रो के एमडी एस. कृष्ण चैतन्य शनिवार को एम्स, अलकापुरी और डीआरएम स्टेशन पर पहुंचे। उन्होंने प्रायोरिटी कॉरिडोर का निरीक्षण भी किया।

एमडी चैतन्य ने मेट्रो ऑफिस में सभी सिविल-सिस्टम कॉन्ट्रैक्टर और अधिकारियों के साथ मीटिंग भी की। उन्होंने बाकी बचे काम को जल्दी पूरा करने को कहा। ताकि, कमिश्नर मेट्रो रेल सेफ्टी टीम को जल्दी भोपाल बुलाया जा सके।

एमडी ने स्टेशनों और ट्रैक का निरीक्षण किया

एमडी चैतन्य ने मीटिंग के बाद स्टेशनों और ट्रैक का निरीक्षण भी किया। वे सबसे पहले एम्स स्टेशन पहुंचे। जहां एम्स अस्पताल की ओर बन रहे एंट्री-एग्जिट गेट को देखा। इसके बाद कान्कोर्स लेवल पर मेट्रो परिचालन के लिए जरूरी जैसे- सिस्टम रूम्स, टेलीकॉम इक्विपमेंट रूम, सिगनलिंग रूम, स्टेशन कंट्रोल रूम, एएसएस एवं प्लेटफॉर्म लेवल पर ट्रैक, शेड थर्ड-रेल शामिल हैं। मेट्रो एमडी एस. कृष्ण चैतन्य ने शनिवार को सुभाषनगर मेट्रो डिपो का निरीक्षण किया।

डीएमआर ऑफिस के निर्माण कार्य को भी देखा

एमडी ने अलकापुरी और डीआरएम ऑफिस स्टेशन पर चल रही निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। वहीं, शेष बचे कार्यों को जल्द पूरा करने की बात कहीं।

डीएमआर-केंद्रीय स्कूल स्टेशन के पास से हटेगी बेरिकेडिंग

एमडी चैतन्य ने त्योहारों को ध्यान में रखते हुए जहां निर्माण कार्य पूर्ण हो गए हैं, वहां बेरिकेडिंग हटाने की बात कही। इस पर कॉन्ट्रैक्टर ने कहा कि डीआरएम ऑफिस स्टेशन और केंद्रीय स्कूल स्टेशन के पास से जल्दी बेरिकेडिंग हटा ली जाएगी। एमडी ने एम्स मेट्रो स्टेशन पर चल रहे कामों को देखा और उन्हें जल्दी पूरा करने की बात कहीं।

सुभाषनगर डिपो भी पहुंचे एमडी चैतन्य

एमडी चैतन्य प्रायोरिटी कॉरिडोर का निरीक्षण करने के बाद सुभाषनगर डिपो भी पहुंचे। जहां उन्होंने प्रशासनिक भवन, सिगनलिंग इक्विपमेंट रूम टेलीकॉम ईक्विपमेंट रूम कंट्रोल रूम, इन्स्पेक्शन-बे, वाशिंग एरिया, रिपेयर-बे, सब-स्टेशन और स्विच यार्ड, टेस्ट ट्रैक आदि के निर्माण का निरीक्षण किया। मेट्रो ट्रेन परिचालन में डिपो की महत्ता को ध्यान में रखते हुए डिपो में शेष बचे सिविल और सिस्टम वर्क को भी जल्दी पूरा करने को कहा।

ये अफसर रहे मौजूद

निरीक्षण के दौरान सिस्टम निदेशक शोभित टंडन, प्रोजेक्ट्स निदेशक अजय गुप्ता, सिविल महाप्रबंधक संजय सिंह समेत अन्य अफसर और कॉन्ट्रैक्टर मौजूद थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की पहल - रीवा में भी खुला निवेश प्रोत्साहन केन्द्र

भोपाल (नप्र)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर रीवा कलेक्ट्रेट परिसर में निवेश प्रोत्साहन केन्द्र शुरू हो गया है। रीवा सहित पूरा विंध्य क्षेत्र प्राकृतिक संसाधनों और खनिज संपदा से समृद्ध है। यहां बाणसागर बांध की नहरों के माध्यम से पर्याप्त पानी उपलब्ध है। उद्योगों की स्थापना के लिए यहां कम दर पर पर्याप्त भूमि उपलब्ध है। उद्योगों की स्थापना के लिए विंध्य क्षेत्र में बहुत संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को फलीभूत करने के लिए कलेक्ट्रेट रीवा में निवेश प्रोत्साहन केन्द्र शुरू किया गया है। आगामी 23 अक्टूबर को होने वाले रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव की तैयारियों के क्रम में इस केन्द्र को शुरू किया गया है। केन्द्र में मध्यप्रदेश औद्योगिक विकास केन्द्र अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। निवेश प्रोत्साहन केन्द्र से उद्योगों की स्थापना के लिए उपलब्ध भूमि, पानी, सड़क, बिजली, रेलवे लाइन, हवाई मार्ग, श्रमिकों की उपलब्धता आदि की जानकारी दी जा रही है।

विंध्य में बाणसागर बांध की नहरों से खेती में चहुँमुखी विकास हुआ है। गेंहू, धान, चना, सरसों सहित सभी फसलों के उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। फल और सब्जियों का उत्पादन भी तेजी से बढ़ा है। कृषि आधारित तथा खाद्य प्रसंस्करण उद्योगों की स्थापना की भी अच्छी संभावनाएं हैं। उद्योगों की स्थापना के लिए रीवा जिले में गुढ़ में नया औद्योगिक केन्द्र विकसित किया गया है। मऊगंज जिले में घुरेहटा तथा कटरा-घूमा में नए औद्योगिक केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। सिरमौर और सेमरिया तहसील तथा त्यौंथर तहसील में औद्योगिक निवेश के लिए भूमि आरक्षित की गई है। जिले के कई क्षेत्रों में सोलर एनर्जी की भी अच्छी संभावना है। निवेश प्रोत्साहन केन्द्र से पूरे क्षेत्र में औद्योगिक निवेश से जुड़े सभी आयामों की जानकारी दी जा रही है, जिससे निवेशकों का काम आसान होगा।

म.प्र.में 2 दिन और बारिश, फिर ठंड

भोपाल-उज्जैन में रही धूप, चार जिलों में गिरा पानी, दो जिलों में मंडी में रखा मक्का भीगा

भोपाल (नप्र)। मध्यप्रदेश से मानसून विदा हो चुका है, लेकिन दक्षिणी हिस्से के जिलों में बारिश जारी है। ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम के एक्टिव होने से ऐसा मौसम है। शनिवार को रतलाम, खरगोन, धार और पांढुर्णा जिले में बारिश हुई। खरगोन और पांढुर्णा में मंडी परिसर में खुले में रखा मक्का भीग गया।

मौसम विभाग के अनुसार, ट्रफ मध्य-पूर्व अरब सागर के ऊपर एक्टिव है, जो लो प्रेशर एरिया (निम्न दाब क्षेत्र) के रूप में बदल जाएगी। यह मध्यप्रदेश के दक्षिणी हिस्से से करीब है। इस वजह से बारिश हो रही है। दो दिन और बारिश का दौर रहेगा। फिर ठंड बढ़ेगी।

अगले 24 घंटे यहां रहेगा मौसम में बदलाव

अगले 24 घंटे में आलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में गरज-चमक और हल्की बारिश हो सकती है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर, जबलपुर समेत कई जिलों में मौसम साफ रहेगा। यहां धूप रहेगी।

20 अक्टूबर को आलीराजपुर, धार, बड़वानी, इंदौर, खरगोन, खंडवा, हरदा, बुरहानपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट में गरज-चमक की स्थिति बनी रहेगी।

दो जिलों में बारिश से भीगा मक्का

खरगोन में अनाज मंडी में रखा मक्का बारिश के चलते भीग गया। पांढुर्णा अनाज मंडी में बारिश के कारण खुले में रखा मक्का भीग गया।

बारिश के बीच गुलाबी ठंड का भी असर

प्रदेश के दक्षिणी हिस्सों के जिलों में बारिश के बीच गुलाबी ठंड का असर भी शुरू हो गया है। हिल स्टेशन पचमढ़ी में शुक्रवार को दिन का तापमान 28.6 डिग्री रहा था, जबकि न्यूनतम तापमान 18.4 डिग्री दर्ज किया गया। बैतूल में अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री रहा। बड़े शहरों की बात करें तो शुक्रवार को भोपाल में दिन का तापमान 32.8 डिग्री, जबलपुर में 32.6 डिग्री, इंदौर में 31.5 डिग्री, ग्वालियर में 36.5 डिग्री और उज्जैन में 32.4 डिग्री रहा।

मानसून की विदाई, पर बारिश का दौर जारी

प्रदेश से 15 अक्टूबर को मानसून लौट चुका है, लेकिन सिस्टम की एक्टिविटी की वजह से कई जिलों में बारिश का दौर जारी है। पिछले 24 घंटे के दौरान बड़वानी, खंडवा, बैतूल, बुरहानपुर, सिवनी, मंडला और पांढुर्णा में भी हल्की बारिश हुई थी। दो दिन सिस्टम के सक्रिय रहने से ऐसा ही मौसम रह सकता है।

भगवान झूलेलाल मंदिर में चण्डु पूजा का आयोजन

पूज्य बहिराणा साहब की ज्योति प्रज्वलित कर किया भजन कीर्तन और आरती

भोपाल (नप्र)। संत हिरदाराम नगर स्थित भगवान झूलेलाल के प्राचीन मंदिर में प्रत्येक शुक्रवार को होने वाले चण्डु (थारु) के विशेष पूजा समारोह में इस बार श्रद्धालुओं ने उमंग और श्रद्धा के साथ भाग लिया। एच वार्ड में आयोजित इस पूजा में पूज्य बहिराणा साहब की ज्योति प्रज्वलित कर भजन कीर्तन और आरती का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का नेतृत्व पुरषोत्तम हरचंदानी और उनके परिवार ने किया। शाम 7 से 8.30 बजे तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं ने नाचते-गाते हुए भगवान की आराधना की और देश की खुशहाली तथा समाज के उत्थान की प्रार्थना की।

उल्लेखनीय है कि बहिराणा साहब की पूजा का

विशेष महत्व है। हाल ही में 16 जुलाई से 24 अगस्त तक चलने वाले चालीसा महोत्सव में वेदांत संत लालसाईं जी ने बहराणा साहब को श्रद्धा के साथ माथे पर रखकर पूजा की थी। पूजा में शामिल सामग्री में ज्योत, मिश्री, फोटा, फल, लौंग और अखो शामिल हैं, जिन्हें श्रद्धा पूर्वक अर्पित किया गया। सवेरे चावल और चीनी से बनी मीठी डिश अखो चढ़ाई जाती है, जबकि शाम को पूजा के बाद बहराणा साहब का विसर्जन नदी या समुद्र में किया जाता है।

मप्र के 3.50 लाख कर्मचारी-पेंशनर्स को मिलेगी अतिरिक्त वेतनवृद्धि

हाईकोर्ट ने शासन को दिया नोटिस, कहा-4 हफ्ते में दें लाभ

भोपाल (नप्र)। साल 2005 से पहले 1 जनवरी से 1 जुलाई के बीच नियुक्त मध्य प्रदेश के करीब 2 लाख कर्मचारी और 1.50 लाख पेंशनरों को 5वें वेतनमान में एक वेतनवृद्धि का लाभ मिलेगा। पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए जबलपुर हाईकोर्ट की मुख्य न्यायाधीश वाली डबल बेंच ने यह फैसला सुनाया है। कोर्ट ने सरकार को नोटिस देकर 4 हफ्ते में कर्मचारियों-पेंशनरों को वेतनवृद्धि कर 6वें वेतनमान में वेतन का निर्धारण करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने आदेश का पालन कराने की जिम्मेदारी एडवोकेट जनरल को सौंपी है।

एसोसिएशन ने जबलपुर हाईकोर्ट में 5 अक्टूबर को रिट पिटिशन दायर की थी। जिस पर शुक्रवार को फैसला आया है। जिसमें कोर्ट ने सरकार को फटकार लगाई है। याचिकाकर्ताओं ने वकील ने कोर्ट को बताया कि राज्य सरकार पूर्व में फिक्सेशन कर चुकी है, पर लाभ नहीं दिया। इस पर कोर्ट ने तय सीमा में लाभ देने के निर्देश दिए हैं। एसोसिएशन के संरक्षक गणेश दत्त जोशी और प्रदेश अध्यक्ष आमोद सक्सेना ने बताया कि मध्य प्रदेश वेतन पुनरीक्षण नियम 2009 के नियम 9 के अनुसार वेतनवृद्धि एक समान (1 जुलाई) करने के कारण कर्मचारियों को 6वें वेतनमान में 13 से 18 महीने बाद वार्षिक वेतनवृद्धि का लाभ मिला है।

कमजोर परफॉर्मेंस वाले ब्लॉक अध्यक्षों को हटाएगी कांग्रेस

जिला और शहर अध्यक्षों के कामकाज का भी रिव्यू होगा, संगठन की मजबूती पर फोकस

भोपाल (नप्र)। कांग्रेस जल्द ही 26 ब्लॉक अध्यक्षों को हटाने की तैयारी में है। इसके साथ ही जिन जिला और शहर कांग्रेस अध्यक्षों का तीन साल का कार्यकाल पूरा हो गया है, उनके कामकाज की समीक्षा के बाद उन्हें भी हटाया जाएगा।

अच्छा काम करने वालों को पार्टी दोबारा मौका दे सकती है, लेकिन कमजोर परफॉर्मेंस वाले जिला अध्यक्ष हटाए जाएंगे। संगठन की मजबूती के लिए कांग्रेस निष्क्रिय मंडल और सेक्टर अध्यक्षों को एक्टिव मोड में लाने और प्रदेश सरकार की नीतियों का विरोध करने के लिए जागरूक करेगी। इसके बाद भी अगर उनकी गतिविधियों में बदलाव नहीं आता है, तो उन्हें भी हटाया जाएगा।

यह संकेत कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और पार्टी के प्रदेश सह प्रभारी की बैठक में जिला संगठन मंत्रियों को दिए गए हैं। कांग्रेस ने पिछले दिन में 20 निष्क्रिय ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों को हटाया है। अब आने वाले दिनों में भी इसी तरह के एक्शनप की तैयारी है। जिला संगठन मंत्रियों से पार्टी के निष्क्रिय मंडल, सेक्टर अध्यक्षों को सक्रिय करने और ग्राम पंचायत कांग्रेस कमेटियों के गठन पर चर्चा की गई है।

कांग्रेस का उत्प्रेरक समूह बनाएंगे

जिला संगठन मंत्रियों के साथ यह बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी की अध्यक्षता में हुई। इसमें अभा कांग्रेस के सचिव सह प्रभारी संजय दत्त भी मौजूद रहे। बैठक में पटवारी ने कहा कि मैदानी स्तर पर कांग्रेस का उत्प्रेरक समूह निर्मित करने की शुरुआत की गई है। बैठक में सभी जिला संगठन मंत्रियों से सामूहिक एवं अलग-अलग चर्चा की गई। इस संवाद के दौरान जिला संगठन मंत्रियों से संगठनात्मक गतिविधियों के संबंध में फीडबैक लिया गया।

संगठन की मजबूती पर फोकस

बैठक में ग्रामीण स्तर पर विपक्ष की दृष्टि से किन-किन महत्वपूर्ण और संगठनात्मक मुद्दों पर सरकार को घेरा जा सकता है, इस पर चर्चा हुई। सत्ता पक्ष को घेरने और भाजपा की जनविरोधी नीतियों को जनता के बीच सक्रियता के साथ उजागर करने की रणनीति पर बात की गई है। बैठक में प्रदेश कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष राजीव सिंह, पूर्व विधायक रवि जोशी सहित जिला संगठन मंत्री उपस्थित थे।

महिला अपराध को लेकर कांग्रेस का सामूहिक उपवास

पीसीसी चीफ पटवारी बोले- म.प्र.में हर 17 मिनट में किसी बेटी के साथ बलात्कार की घटना हो रही

भोपाल (नप्र)। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी ने कहा, मध्यप्रदेश में हर 17 मिनट में किसी बेटी के साथ बलात्कार की घटना सामने आती है। अलग-अलग तरीके से रोज यातनाओं की खबरें सामने आती हैं। यह कोई राजनीतिक कार्यक्रम नहीं है, आरोप-प्रत्यारोप का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह बेटी बचाओ अभियान है। हमने सारे जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिया है कि बेटियों की सुरक्षा का दायित्व हर नागरिक का है। जनता ने इस सरकार को इतना भारी बहुमत दे दिया है कि उन्होंने (मध्यप्रदेश सरकार) इस एहसास को जीना छोड़ ही दिया है कि बेटियों की भी रक्षा करनी है।

मध्य प्रदेश में बढ़ते महिला अपराधों (यौन प्रताड़ना के प्रकरण) को लेकर भोपाल के रोशनपुरा चौराहे पर कांग्रेस नेताओं ने सामूहिक उपवास किया। जिसमें पूर्व सीएम कमलनाथ, दिग्विजय सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सहित कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। यह पहला मौका था, जब किसी आंदोलन में कांग्रेस के सभी धड़ों के नेता एक साथ दिखाई दिए।

17 मिनट में हो रहा है एक रेप-प्रदेश में बढ़ते अपराधों का हवाला देते हुए पटवारी ने कहा कि हर 17 मिनट में एक रेप की घटना हो रही है और अखबारों में रोज ऐसी खबरें देखने को मिल रही हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस,

एक जिम्मेदार विपक्ष होने के नाते, बेटियों की सुरक्षा के लिए आवाज उठाती रहेगी और आज के उपवास से सरकार को स्पष्ट संदेश दिया जा रहा है।

मंत्री विजयवर्गीय पर तंज- पटवारी ने नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के बयान का जिक्र करते हुए कहा, अगर मंत्री जानते हैं कि चित्तौड़गढ़ में ड्रग्स का गढ़ है, तो वे कार्रवाई के लिए मुहूर्त का इंतजार क्यों कर रहे हैं? उन्होंने कहा कि युवाओं में नशे की लत बढ़ रही है और इसका सीधा असर उनके मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहा है।

कमलनाथ बोले- सबसे भ्रष्ट प्रदेश में से है मध्य प्रदेश- कांग्रेस के एक दिन के उपवास में शामिल होने पहुंचे पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ यहां कुछ देर तक रुकने के बाद वापस चले गए। इससे पहले मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि प्रदेश का किसान हो या नौजवान सब परेशान हैं। देश में सबसे भ्रष्ट प्रदेशों में मध्य प्रदेश है।

प्रदेशभर से शामिल हुए कांग्रेस नेता- सामूहिक उपवास में प्रदेशभर से कांग्रेस नेता शामिल हुए। इसके अलावा एआईसीसी महासचिव और मध्य प्रदेश प्रभारी भंवर जितेंद्र सिंह, कांग्रेस के सभी जिलाध्यक्ष अपने-अपने समर्थकों के साथ मौजूद रहे।।

पीसीसी ने कार्यक्रम के लिए प्रत्येक जिलाध्यक्ष को 100-100 कार्यकर्ताओं को साथ लाने का लक्ष्य दिया था। साथ ही पीसीसी के सभी पूर्व पदाधिकारियों, प्रदेशभर के ब्लॉक अध्यक्षों, मंडल और सेक्टर अध्यक्षों समेत सभी जनप्रतिनिधियों को उपवास कार्यक्रम में शामिल होने के लिए भोपाल बुलाया गया है।

पुस्तक समीक्षा

नृपेन्द्र अभिषेक नृप
समीक्षक

ग्राम्य जीवन की कहानी बयां करता 'अनबूझे सपने'

रोमिता शर्मा की पुस्तक 'अनबूझे सपने' सुंदर कहानियों का एक सुंदर गुलदस्ता है, जिसमें भारतीय ग्राम्य जीवन की धड़कन और उसकी विविधता को गहराई से उकेरा गया है। यह संग्रह हिमाचल प्रदेश के गांवों के जीवन, उनकी समस्याओं, संघर्षों, परंपराओं और सामाजिक संरचनाओं को वास्तविक और संवेदनशील दृष्टि से प्रस्तुत करता है। रोमिता शर्मा, जो कथा साहित्य में एक उभरता हुआ नाम हैं, ने इस पुस्तक में ग्रामीण समाज के निम्न और अतिनिम्न वर्ग के जीवन के मर्म को पकड़ने का सफल प्रयास किया है।

'अनबूझे सपने' की कहानियां मुख्यतः ग्रामीण परिवेश पर आधारित हैं। इन कहानियों में साधारण लोगों की जिंदगियों और उनके संघर्षों को केंद्र में रखा गया है। ये कहानियां गांवों की सामाजिक और सांस्कृतिक जटिलताओं को उजागर करती हैं, जहां पुरानी परंपराएं और मान्यताएं जीवन के हर हिस्से को प्रभावित करती हैं। इन कहानियों के पात्र साधारण होते हुए भी असाधारण हैं क्योंकि वे गांवों की असली आवाज को प्रस्तुत करते हैं। वे हीरू मजदूर की कठिनाइयों, मासिक धर्म के दौरान गोशाला में रहने वाली महिला के संघर्ष, संक्रमण रोग से पीड़ित शंकर सिंह की पीड़ा और गैर-बिरादरी में ब्याही लड़की के संघर्ष को दर्शाते हैं।

पुस्तक में पुरातन ग्राम्य संस्कृति का एक प्रमुख प्रतीक 'घराट' है। घराट, जो एक प्रकार की पनचक्की है, ग्रामीण जीवन की परंपराओं और जीविका का केंद्र था, लेकिन आधुनिकता के आगमन के साथ इसका महत्व और अस्तित्व धीरे-धीरे समाप्त हो गया है। 'घराट' ग्रामीण जीवन के उन साधनों और परंपराओं का प्रतीक है, जो अब इतिहास बनते जा रहे हैं। इसी तरह, पुलिया के नीचे रहने वाली भिखारिन, अंधविश्वासों और रूढ़िवादिता से जकड़े गांव की जीवनशैली को भी इंगित करती है। इन प्रतीकों के माध्यम से रोमिता शर्मा ने ग्रामीण जीवन की खोती जा रही धरोहर को फिर से जीवंत किया है।

इस संग्रह की कहानियों में ग्रामीण जीवन के कई पहलुओं को उजागर किया गया है, जिनमें गरीबी, पिछड़ापन, अंधविश्वास, और रूढ़िवादी परंपराएं प्रमुख हैं। इन कहानियों के पात्र अपने-अपने संघर्षों में जकड़े हुए हैं, जहां उन्हें समाज के साथ-साथ अपने भीतर के संघर्षों से भी जूझना पड़ता है। जैसे कि हीरू मजदूर, जो गरीबी और कठोर श्रम से जूझता है, या मासिक धर्म के दौरान समाज द्वारा बहिष्कृत महिला, जिसका संघर्ष उसके शरीर और समाज दोनों के साथ होता है।

रोमिता शर्मा की लेखन शैली सरल और प्रवाहमयी है। उनकी कहानियों में संवादों का इस्तेमाल पात्रों की भावनाओं और विचारों को उभारने में सफल रहता है। लेखिका ने हर कथा में कथानक को सहजता से प्रस्तुत किया है, जिससे पाठक बिना किसी रुकावट के कहानी में डूब जाता है। उनकी शैली में गहराई और सादगी का मेल है, जो पाठकों को ग्रामीण जीवन के अनछुए पहलुओं से परिचित कराता है।

रोमिता शर्मा ने ग्रामीण समाज के उन हिस्सों पर ध्यान केंद्रित किया है, जो अक्सर मुख्यधारा की साहित्यिक धारा से बाहर रह जाते हैं। उनकी कहानियों में नायक या नायिका के रूप में कोई महापुरुष या आदर्श चरित्र नहीं हैं, बल्कि वे साधारण गांववासियों की जिंदगी के अनकहे, अनसुने और अनदेखे हिस्सों को सामने लाते हैं। उनके पात्र गांव के हाशिये पर खड़े लोग हैं–मजदूर, भिखारी, बीमार और समाज द्वारा बहिष्कृत महिलाएं, जो अपने जीवन की जटिलताओं में उलझे हुए हैं।

'अनबूझे सपने' एक ऐसी पुस्तक है, जो न केवल ग्रामीण जीवन के संघर्षों को उजागर करती है, बल्कि पाठक को उस दुनिया में ले जाती है, जो आज के शहरी समाज से पूरी तरह से भिन्न है। यह संग्रह हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आधुनिकता के नाम पर हम अपनी पुरानी परंपराओं और सांस्कृतिक धरोहरों से कितनी दूर हो चुके हैं। रोमिता शर्मा ने अपनी कहानियों के माध्यम से ग्रामीण जीवन की गहराई, उसकी संवेदनाओं और उसकी जटिलताओं को इस तरह प्रस्तुत किया है, जो पाठक के दिल को छू जाती हैं।

समीक्षक- नृपेन्द्र अभिषेक नृप
पुस्तक- अनबूझे सपने
कहानीकार- रोमिता शर्मा
प्रकाशन- रुद्र प्रकाशन, बुंदेलखंड
मूल्य-300 रुपये
पेज- 106

शान्ति

प्रभुनाथ शुक्ल

देवी मंदिर की परिक्रमा के दौरान उसने मुझे कई बार टोंका। उसके हाथ में झाड़ू थीं वह रोज मंदिर की साफ -सफाई करता था।

क्या नाम है तुम्हारा

जी ! राजू

कितनी उमर है।

जी! 35 साल

क्या करते हो...?

बस, साहब! इसी देवी मंदिर में साफ -सफाई करता हूँ। अच्छा ट्रस्ट की तरफ से नियुक्त हो, फिर लोगों से पैसा क्यों मांगते हो। तुम्हें तो मंदिर का ट्रस्ट वेतन देता होगा।

नहीं साहब! ट्रस्ट ने किसे रखा है हम नहीं जानते हैं। लेकिन हम जैसे कई लोग देवी माँ के परिसर की बराबर साफ-सफाई करते हैं। मंदिर के पास में रहता हूँ। 15 साल का रहा तभी बाप मर गया। माँ की बीमारी और घर का खर्च चलाने के लिए मातारानी के दरबार में आ गया और साफ -सफाई करने लगा। मुझे 20 साल हो गए साफ -सफाई करते।

मंदिर में झाड़ू क्यों लगाते हो। क्या तुम्हें और कोई दूसरा काम नहीं मिला।

मैं पढ़ा -लिखा नहीं हूँ साहब। मंदिर का कपाट तीन बजे भोर में खुल जाता है। देवी दरबार की सफाई करने के बाद पूजा में शामिल होता हूँ। फिर प्रसाद लेकर सफाई में लग जाता हूँ। दोपहर कपाट बंद होने के बाद चला जाता हूँ।

कितना कमा लेते हो ?

बस ! मातारानी की जितनी कृपा हो जाए। कमाने की बात नहीं है सबसे बड़ी बात माँ के दरबार में सफाई और सेवा से मुझे आनंद मिलता है। इसी बहाने मातारानी के आशीर्वाद से मेरा परिवार चल रहा है। यहाँ से मुझे शान्ति मिलती है। राजू की बात सुन मैं आश्चर्य से भर गया था। उसे 50 रुपए की नोट देते हुए मैं आगे बढ़ गया था। सच में मातारानी सबकी झोली भरती हैं।

कविता

हाइकु

वाह ! जलेबी

यशवंत चौहान

अच्छे दिन आयेंगे
आह ! जलेबी
रस भरा है
तुझमें व उनमे
बाक़ी बेरस

मैं ग़रीब था
कल तक मेरी थी
तू कहाँ गयी ?

मिठाई है या
है जान की दुश्मन
है उलझन

राजनीति में
तेरा स्वाद अलग
वाह ! जलेबी

पता नहीं था

लघुकथा

करवाचौथ

अविनाश अग्निहोत्री

चार चार स्पेशलिस्ट डाक्टरों के रिपोर्ट देखकर इलाज से मना करने के बाद।अब तुम्हें क्या लगता है कि तुम्हारा ये उपवास मेरी उम्र बढ़ा सकता है।

चलनी की आड़ से उसे निहारती अपनी पत्नी को देख,मायूस अमर बोला।

तब अनु बोली आपका यूं निराश होना ठीक नही।पहले भी कई लोग इस बीमारी से ठीक हुए है।आपको बस अपना आत्मविश्वास बनाए रखना चाहिए।नियति का फैसला जो भी हो प्रयास हमें आखिरी दम तक करना चाहिए। फिर आज मैं उस डॉक्टर से आपके लिए प्रार्थना कर रही हूं जिसके लिए असंभव कुछ नही।

और फिर आपको यह भी कभी नही भूलना चाहिए कि मेरा भी नाम अनुसूया है।

इतना कहते हुए वो अपने पति का हाथ कसकर पकड़ आसमान में निकले चांद को निहारने लगी।

(लघुकथा)

जूस

सुरेश सौरभ

क्या बात मैडम जी! आज लेट कर दिया?-क्लर्क
जरा तबीयत न ठीक थी-मैडम
अरे! क्या हुआ आपको ?- क्लर्क
ओह! अब आई, क्या हुआ मैडम जी?-साहब
सर! तबीयत न ठीक थी, इसलिए आज लेट हो गई।
क्या हुआ ? -साहब
मैडम खामोशी से अपनी सीट की ओर बढ़ गईं।
रामू मैडम ने चपरासी रामू को आवाज दी।
जी जी ! मैम रामू आ गया।
जरा एक गिलास अनार का जूस ले आओ, कुछ तबीयत

ठीक नहीं, वहीं से
लाना जहाँ से लाते हो?
क्लर्क की डेस्कटॉप से आंखें हटीं, कीपैड पर नाचती उंगलियाँ ठहरीं।अब उसकी निगाह रामू पर थीं। रामू उन्हें देख मुस्कुराया, तब हल्की हंसी में क्लर्क बोला-जाओ यार! ले आओ जल्दी!
अभी जाता हूँ सर।- मैम से पैसे लेकर रामू शरारती मुस्कान लिए आगे बढ़ गया। मैडम ने कनखियों से उसे देखा, फिर दुरदुराते हुए उनकी उंगलियाँ कीपैड पर तेज से, तेजतर हो गईं। डेस्कटॉप थरथराने लगा।

लघुकथा

डॉ. यशोधरा भटनागर

चाँद

आसमान में इक्का-दुक्का बादल अभी भी छाए हुए थे।गोटा लगी रेशमी लाल साड़ी पहने सोलह श्रृंगार कर,आँगन में खड़ी वह वह एकटक आसमान की ओर देख रही थी।

यह चाँद तो दिख जाएगा न आज? मेरा चाँद तो दूर बर्फीले क्षेत्र में तैनात,मन ,वचन कर्म से अपना फ़र्ज़ पूरा कर रहा है। पर अग्नि को साक्षी मान,सात वचन दे मुझे भी तो अपनी अर्धांगिनी बनाया है।नहीं! उसका पहला प्यार तो देश के लिए है और अब वह भी उसी के रंग में रंग गई है।

उसने फिर आसमान की ओर देखा। बादलों की ओट से चाँद मुस्कुराया। खनखनाती चूड़ियों और पायल की रुनझुन का संगीत आँगन में फ़ैल गया। चाँद को अर्ध्य दे उसकी नम आँखें छलनी के उस पार अपने रोहण को खोजने लगीं।

हृदय विकल हो उठा और आँखों में सिमटी नमी झरने लगी।हाथ में फोन उठाया पर ऊँहह उसका फौजी नेटवर्क में ही कहाँ रहता है?

'मीनू एक वादा करो तुम कभी उदास नहीं होगी। देखो न मैं तुम्हारी आँखों में ही तो रहता हूँ।' पिछली बार रोहण ने ड्यूटी पर लौटते समय उसकी मीन सी आँखों में झाँकते हुए उसका हाथ थाम उससे वादा लिया था।

आँसू पोंछ आईने के सामने खड़ी हो रोहण को दिया वादा पूरा करने की असफल कोशिश रही थी।

तभी हवा सरसराई और विंड चाइम का मधुर स्वर उसके अंतर में उतर गया।

'लव यू रोहण! लव यू!' आकाश से झरती बूंदें उसके सूखे अधरों को नम कर रहीं थी।

दो कविताएँ

राजकुमार कुम्भज

1. मैं आदमी नहीं, शीशा हूँ

मैं आदमी नहीं, शीशा हूँ
ये सच्चाई सिर्फ़ तब ही समझ पाया
जब-तब सच्चाई के लिए सर उठाया
और पत्थर से टकराया
जबकि घर जैसा कोई घर नहीं था
और मैं एक ख़ुशनुमा घर में था
जबकि डर जैसा कोई डर नहीं था
और मैं कमबख़्त एक डर में था
जबकि जैसा इधर था वैसा ही उधर था
और मुझे पता नहीं किधर था?
पता नहीं, था भी या नहीं था?
फिर भी कहीं न कहीं था ज़रूर
ज़रूरी चीज़ें जमा करता हुआ
ज़रूरी चीज़ों के लिए लड़ता हुआ
और ये कहता हुआ कि लड़ूँगा अंत तक
हर किसी जीवन में वसंत तक
हर वक़्त में आएगा आने वाला
हर वक़्त में गाएगा गाने वाला
कि सच्चे का बोल बाला
और हरेक झूठे का मुँह काला
मैं आदमी नहीं, शीशा हूँ.

2. कहते नहीं थकते हैं वे

कहते नहीं थकते हैं वे
कि जैसे भी हो, जैसे भी हो, जब भी हो
जल्द ही होगी, उनकी ही सरकार होगी
रोटी, कपड़ा, मकान हो, न हो, हर्ज़ नहीं
घर-घर में बम, बारूद, तलवार होगी
धोबी को दूध धोने की,
मगरमच्छों को रोने की,
कुत्तों को भौंकने, लोहार को भट्टी झोंकने की
सर्व-धर्म-समभाव से खुली आज़ादी होगी
नंगे राजा की नंगा न कहने की मुनादी होगी
कहा जाएगा कि डरो तो डरना होगा
कहा जाएगा कि मरो तो मरना होगा
कहते नहीं थकते हैं वे.

कहानी

केदार शर्मा

साझी दीवार

सूरज और रवि दोनों पड़ौसी थे। उनके दोनो के मकानों के सामने दोनो के बरामदों को विभाजित करती एक मिट्टी की दीवार थी। पहले दोनो के मकान कच्चे थे। सूरज की दादी और रवि की दादी सहेलियां थीं। दोनों ने अपने-अपने पुश्तैनी मकानों की घिचपिच को छोड़कर गाँव के बाहर पास-पास में ही प्लॉट लिए थे और कच्चे घर बनवा लिए थे।

रवि ने तीन साल पहले ही अपना मकान पक्का बनवा लिया था। सूरज ने अब बनवाया है,लेकिन उसने वैसा ही नक्शा बनवाया जैसा रवि ने बनवाया था,यहाँ तक कि रंग-रोगन,खिड़की-दरवाजे,फर्श की टाइलें सब हूबहू थे।

जब मकान का काम पूरा होने लगा तो एक सुबह सूरज ने सोचा,क्यों नहीं दोनों के बरामदों के बीच की इस मिट्टी की दीवार को भी पक्की कर दी जाए। हालाकि दीवार पुती हुई थी और सुंदर मांडणों की चित्रकारी से सजी हुई थी। सूरज ने मजदूरों को बुलाकर वह दीवार ढहा दी। आवाज सुनकर रवि और बच्चे बाहर निकल आए। सारी बात रवि के समझ में आ गई कि मजदूर दीवार का मलबा हटाकर नींव खोदना शुरू करने वाले हैं।

रवि तुरतं वहाँ जा पहुंचा और बोला-'ये क्या हो रहा है सूरजजी ? मुझसे पूछा तो होता। दीवार क्या इतनी बुरी लग रही थी ?' उसके स्वर में आक्रोश था।

'देखो रविजी,पक्के मकानों के बीच यह कच्ची दीवार क्या अच्छी लग रही थी ?'

'देखिए सूरजजी,माना कि वह दीवार बुरी लग रही थी,पर आपको मुझसे चर्चा तो करनी चाहिए थी। चाहता तो मैं भी इस दीवार को कभी का गिराकर पक्की बनवा सकता था। और वैसे भी इसकी सार-संभाल हम ही कर रहे थे।'

रविजी,जब से होश संभाला है,मैंने मेरी मां को उस दीवार की लिपाई-पुताई करते और उस पर सुन्दर मांडणे बनाते देखे हैं।' सूरज ने भी उसी लहजे में जवाब दिया ।

दोनों के बीच जब बहस तेज हो गई तो मौहल्ले के बड़े-बूढ़े और बच्चे वहां इकट्ठे हो गये। एक वृद्धा ने गला साफ किया और बोली -' बेटा,जिसने यह दीवार बनाई

है वह शख्स इस समय जीवित है। वह बता सकता है कि यह दीवार किसकी है। वृद्धा के बताए गए पते पर किसी बच्चे को भेजकर उस दीवार की चिनाई करने वाले मिस्त्री को बुलवाया गया।

लकड़ी टेकता हुआ वह वृद्ध मिस्त्री आ खड़ा हुआ। जब वह बोलने लगा तो सभी की आँखें उत्सुकता से उस वृद्ध पर टिक गई -''मैनें ही इस दीवार की चिनाई की थी। बात तब की है जब सूरज पाँच साल का था और रवि का जन्म भी नहीं हुआ था। दोनों परिवारों की महिलाओं में ऐसा मेल था जैसे दाँत-कटी रोटी खाती हों। रवि के पिताजी ने दो दूध देती गाँएं और एक कुत्ता पाल रखा था। दोनो बछड़े और कुत्ता आँगन में छलांगे लगाते फिरते थे। ऐसे ही एक दिन एक बछड़ा सूरज को रौंधता हुआ निकल गया। उसके नाक से खून बहने लगा। उधर कुत्ते का भी भरोसा नहीं किया जा सकता था। इसलिए दोनों परिवारों ने तय किया कि दोनों मकानों के बीच एक कच्ची दीवार उठा दी जाए ताकि छोटे बच्चे के साथ कोई अवांछित घटना नहीं घटे। दीवार बन जाने बाद दोनों परिवारों ने 50-50रूपए मजदूरी के दिए थे। तय हुआ था कि यह दीवार दोनों के लिए साझी रहेगी। वृद्ध मिस्त्री के मुँह से सारी बात सुनकर दोनों के सामने सारी स्थिति स्पष्ट हो गई। लोगों के समझाने पर दोनो परिवार अपने-अपने काम में लग गए,पर दिन-भर एक दूसरे से बात नहीं की। शाम को खाना खाने के बाद रवि की पत्नी सुजाता ने रवि से कहा–'सुनोजी,यह दीवार सूरजजी भाईसाहब को ही पक्की करने दो,आधा खर्चा देंगे तब भी रहेगी तो बीच में ही।'

'ठीक है, यह बात कल सवेरे उनको बता दूंगा'-रवि ने संक्षिप्त जवाब दिया। उधर सूरज की पत्नी भी सूरज को समझाने लगी-'देखोजी,'कच्ची दीवार जब हमने गिरा ही दी है तो उसे पक्की करने की क्या जरूरत है ।जब हमारे मनों में कोई दीवार ही नहीं है तो इस दीवार की क्या जरूरत हे ?'

'लेकिन अगर रवि इस बात से सहमत नहीं हुआ तो ?' सूरज ने शंका जताई। 'तो बना लेंगे वे,पूरी दीवार उनकी रह जाएगी। रहेगी तो बीच में ही।'

''ठीक है कल मैं रविजी से कह दूंगा।'

दूसरे दिन सुबह मिस्त्री दीवार की उस खाली जगह में बाकी दोनों ओर के फर्श जैसी टाइले लगाने की तैयारी कर रहा था। सूरजजी पास ही खड़े थे। रवि ने कहा–'भाईसाहब, यदि यह दीवार आप चाहें तो पक्की करवा लें। अब हमें तो कोई आपत्ति नहीं है।' कल की बात के लिए मैं माफी चाहता हूं।

'देखिए रविजी, यदि हमारे मनों में कभी दीवार नहीं रही और न ही इस समय है,तो इस बाहरी कच्ची दीवार को पक्की करके क्या करेंगे। हाँ, मन में उठी मालिन्य की दीवारें यदि कच्ची होती तो बाहरी दीवारों को पक्की करना तर्कसंगत होता। किसी समय एक छोटे बच्चे की पशुओं से रक्षा के लिए हमारे पूर्वजों को इस दीवार की आवश्य कता हुई थी,किसी मनभेद के चलते नहीं। अब अगर यह ढह ही गई है तो इसे और उठाने की अब जरूरत ही क्या है' कहकर सूरज मौन हो गया।

दोनो हाथ जोड़कर रवि बोला-'सूरजजी भाईसाहब, आप बिल्कुल सही कह रहे हैं। सौ समझदार आदमी भी छोटी सी जगह में आसान रह सकते हैं परतुं दो अनगढ़ व्यक्ति बहुत बड़ी इमारत में भी लड़े बिना, सुकून से नहीं रह सकते। दीवार के टूटने से आँगन भी कुछ बड़ा लगने लगा था । बच्चे दोनो ओर निर्बाध रूप से आर-पार छोटी साईकिले घुमा रहे थे और आँगन मुस्करा रहा था।

स्वामी, सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक उमेश त्रिवेदी द्वारा श्री सिद्धीविनायक प्रिंटर्स, प्लॉट नं. 26-बी, देशबंधु परिसर, प्रेस कॉम्पलेक्स, जोन-1, एम.पी.नगर, भोपाल, म.प्र. से मुद्रित एवं डी-100/46, शिवाजी नगर भोपाल से प्रकाशित।

संपादक - उमेश त्रिवेदी

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा)

RNI No. MPHIN/ 2003/ 10923,
Ph. No. 0755-2422692, 4059111
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं। इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

कला

पंकज तिवारी

कला समीक्षक

मध्यकालीन भारतीय कला और अस्तित्व की लड़ाई

मध्यकाल के भारत में कृतियों पर संकट के बादल तो खूब दिखे, कलाकारों को खूब संघर्ष करना पड़ा, कृतियों को भी अस्तित्व की लड़ाई लड़नी पड़ी जो आगे भी जारी रही जिस पर विस्तार से लिखा जाना शेष है, फिर कभी चर्चा करूँगा। फिलहाल आधुनिक कलाकारों एवं कृतियों पर चर्चा का इरादा है। अंग्रेजी सत्ता के आने से कलाकार जो एक जगह रुक कर कार्य कर रहे थे सब तितर-बितर हो गये। कला शैलियाँ भी आपस में मिल सी गईं। कोई कलाकार पटना पहुँच गया तो कोई बंगाल पहुँच गया। खिचड़ी सी शैली पनपी उस बीच। कलाकार खुल कर अभिव्यक्ति भी नहीं कर पा रहे थे, अंकुश अधिक था जो धीरे-धीरे समय के साथ खुला तो पर अंग्रेजी हुकूमत और शैलियों के लेप के साथ। कलाकार जो स्वाभिमानी थे, अपने शर्तों पर कार्य करना चाहते थे, धीरे-धीरे चित्रों से दूरी बना लिए। जो खुद को समय के साथ ढाल लिए दूर तक चल सके। पटना कलम कुछ ऐसे ही अस्तित्व में आई। अब तक दरबारी चित्रकारी का तमगा भी गायब सा ही हो गया था। कलाकारों को जब रोजी-रोटी का संकट सताने लगा तो वे अपने मार्ग ही बदल लिए फलतः बीच में काफी समय तक कलाकृतियाँ मिलती ही नहीं है। रिक्तता सी दिखाई पड़ती है उस दौर में। अंग्रेजों के शासनकाल में जब तमाम जगहों पर कला विद्यालय खोले जाने लगे उसके बहुत समय बाद से फिर धीरे-धीरे कृतियाँ नजर आने लगती हैं और आगे तो आधुनिकता के आकाश में आते ही सारे बंधन टूट जाते हैं और भारतीय कलाकार वैश्विक स्तर पर अपनी अलग पहचान रखने लगे हैं।

भारतीय कला का इतिहास तो अथाह है, जहाँ तक हम सबने थाह पाया है वो पूरे का बस कुछ प्रतिशत ही है कारण भारत के सभी कलाकारों को तथा उनके कला को समझ पाना असंभव है। सभी कलाकारों तक हम पहुँच भी पाएंगे शायद ही सोचा जा सकता है। बहुत-बहुत कुछ छूट गया है खैर हम बात करेंगे इधर बीच की कला पर या कला में आधुनिकता पर। प्रागैतिहासिक, अजंता, एलोरा, खजुराहो, मध्यकालीन पोथी चित्र, राजस्थानी, पहाड़ी, मुगल कला के रास्ते हम आधुनिक भारतीय कला तक का सफर तय करते हैं, उतार-चढ़ाव भी देखते हैं। यहाँ तक पहुँचते-पहुँचते भारतीय कला पंगुता को प्राप्त कर चुकी थी कारण वही परतंत्रता का दंश ही था। कुछ कलाकारों को छोड़ दिया जाय तो शायद ही कोई कलाकार रहा हो जो स्वतंत्रता विषयक चित्र बनाया हो जिसे देखकर जनता में आक्रोश फूटा हो। सौंदर्य एवं प्राकृतिक विषयक कृतियां शबीह और पक्षियों तक सीमित हो चुके थे। ये सब भी बस मुगल तक ही रहा। मुगल साम्राज्य के पतन के साथ ही आश्रय के खोज में भटकते कलाकार अपने कला और कल से भी भटक गये। उसके बाद कला की छिटपुट गतिविधियां दिखती तो हैं पर निरंतरता, स्पष्ट विवेचनीय कार्य देखने को नहीं मिलता। हालांकि हमारे कलाकारों में पूरी काबीलियत थी जिसका बढ़िया उदाहरण जहाँगीर के समय में तैयार एक यूरोपीय कृति की कई अनुकृतियाँ रहीं जहाँ मूल कृति को पहचान पाना मुश्किल हो उठा, पर कलाकारों को सृजन हेतु मानसिक मजबूती के लिए पर्याप्त माहौल नहीं मिल सका। भारतीयों के प्रति अंग्रेजों के दूषित रवैये ने कुछ समय के लिए भारतीय कला को पटल से गायब ही कर दिया था।

कलाकृतियाँ निर्मित तो नहीं हो पा रहीं थीं पर कुछ कलाकार जो कायदे का आर्थिक लाभ भले नहीं प्राप्त कर पा रहे थे फिर भी लगे हुए थे। भटकते हुए कलाकार बिखर गये और कई अलग-अलग जगह रहने लगे। किसी न तैर सकने वाले को बीच मझधार में छोड़ देने पर जो हाल होता है कुछ वही हाल था भारतीय कलाकारों का पर भारतीय कलाकारों ने डूबने के बजाय संघर्ष करना जारी रखा। इन सभी से अलग राजा रवि वर्मा अपने सृजन में रमें रहे। वर्मा के कृतियों में कई सारी खूबियाँ एक साथ देखी जा सकती है। वैचारिक स्वतंत्रता का जबरदस्त प्रतिफल इनके कृतियों में नजर आता है। बहुत कुछ था जो उस समय भी काफी था कला के नाम पर। उधर अंग्रेजी अधिकारी भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति से भी प्रभावित नज़र आ रहे थे फलतः छिटपुट कलाकारों से यहाँ के संस्कृतियों को उजागर करती कृतियाँ बनवाते और अपने यहाँ भेजवा कर व्यापारिक लाभ भी प्राप्त कर रहे थे। अंग्रेजों द्वारा तमाम परिवर्तन के साथ ही मद्रास(1850), कलकत्ता(1854), बंबई(1857), लाहौर(1875), लखनऊ(1913) जैसे जगहों पर कला के भी विद्यालय खोले गए जहाँ भारतीयता तो नदारद थी ही तकनीक भी यूरोपियन थी। भारतीय रहन-सहन, खान-पान, व्यापार, उद्योग आदि के साथ ही भारतीय कला पर भी अंग्रेजों का प्रभाव तो पहले से ही था जो दिन-ब-दिन बढ़ रहा था पर इन विद्यालयों के स्थापना के बाद अब पश्चिमी सभ्यता को व्यवस्थित तरीके से यहाँ के कला छात्रों विशेष कर धनाढ्य वर्ग के छात्रों में भरा जा रहा था, जहाँ अप्रत्यक्ष तौर से भारतीय कला को पश्चिमी कला से तुच्छ बताए जाने की कोशिश भी हो रही थी। हालांकि अधिकतर अंग्रेज जो खुद को ज्ञानी समझ रहे थे और अपने यहां के ज्ञान, ध्यान को विशेष मान रहे थे को भी यह अंदेशा था कि भारतीय कला, संस्कृति एवं साहित्य किसी भी मायने में युरोपीय दर्शन साहित्य आदि से कम नहीं है फिर भी सत्ता की हनक कहें या भारतीय जनता के बिखराव का प्रतिफल कि अंग्रेजों द्वारा अजंता, एलोरा आदि जहाँ शैली, सौंदर्य, विषय संबंधी संपन्नता सदियों से विराजमान रही है, को कमतर दिखाने का प्रयास लगातार किया जाता रहा। लोगों में धीरे-धीरे ये बात भरी जाने लगी थी कि आगे बढ़ने हेतु अंग्रेजी तकनीकी एवं शिक्षा बहुत ही जरूरी है। कला भी इससे इतर नहीं रह सकी। भारतीय छात्रों के कृतियों में भारतीयता नदारद दिखने लगी, पाश्चात्य पाठ्यक्रम का असर दिखना प्रारंभ हो गया, छात्र कलाकार कम मशीन ज्यादा बनने लगे, जिसका कमांड किसी और के हाथ में होता था। छात्र भारतीय और पाश्चात्य के बीच पेंडुलम से झूल रहे थे तथा हार मान कर उनको ही सही मान ले रहे थे जबकि भारतीय कला के बारे में अंग्रेज शिक्षक भी बहुत ज्यादा जानकार नहीं थे या कह सकते हैं कि खुद के गढ़े-गढ़ाए विचारों के मद्देनजर या अपने ज्ञान आधारित चश्में के साथ भारतीय कलाकृतियों को देख और समझ रहे थे, छात्रों को भी वही समझाने की कोशिश में थे। भारतीय कला में पाश्चात्य के आने से नुकसान तो हुआ पर भारतीय छात्रों को काफी कुछ नया सीखने को भी मिला। ब्रिटिश रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट के शैलीगत विशेषताओं पर आधारित कला शिक्षा में भारतीय छात्रों को पर्सपेक्टिव, लाइट एंड शेड, एनॉटॉमी जैसे बारीकियों के साथ ही ऑयल पेंटिंग की टेक्नीक पर भी काम करने और सीखने का मौका मिला। अपना और अपने कला के भविष्य को लेकर, प्रसिद्धि को लेकर कुछ उत्साहित युरोपीय कलाकार भी भारत आये। जिसमें जोहान जोसेफ ज़ोफ़नी जो जर्मन नवशास्त्रीय चित्रकार थे, कलाकार केटल जो ईस्ट इंडिया कंपनी के साथ 1768 में मद्रास आए और वहीं रहते हुए कृतियों का निर्माण करते रहे बाद में कलकत्ता भी गये, प्रसिद्ध ब्रिटिश चित्रकार होजेस, विलियम डैनियल जो समुद्री चित्रकार थे अपने परिचित थामस डेनियल के साथ भारत आए और खूब यात्राएं की, कृतियों का निर्माण भी किया, आलेख के साथ चित्र थॉमस डेनियल का बनाया ही है। प्रसिद्ध पोट्रेट कलाकार एवं रॉयल एकेडमी ऑफ आर्ट के संस्थापक तथा पहले अध्यक्ष सर जोशुआ रेनाल्ड्स, कवि और उपन्यासकार जो बाद में शौकिया चित्रकारी भी करने लगीं एमिली ईडन जैसे लोग भारत के कला परिदृश्य पर उपस्थित हुए और अपने अनुरूप चीजों और कृतियों को ढालते हुए सीखने-सिखाने के उपक्रम के साथ आगे बढ़ते रहे।

बाद में जॉन ग्रिफिथ्स और जॉन लॉकवुड किपलिंग भी भारत आए और जल्दी ही ग्रिफिथ सर जे.जे. स्कूल ऑफ आर्ट के प्रमुख बन गए जिनका योगदान भारतीय छात्रों हेतु काफी रहा। जबकि किपलिंग को लाहौर स्कूल का प्रमुख बनाया गया।

छात्र तकनीकी रूप से प्रबल तो हो रहे थे पर दुख इनके भीतर से गायब होते भारतीयता से था। एक से बढ़कर एक संपन्न कलाकृतियों वाले देश के छात्र अपने पर भरोसा नहीं कर पा रहे थे, वे अपने कृतियों को श्रेष्ठ मान सकने से पूर्व ही भ्रमित हो जा रहे थे। उधर वैश्विक स्तर पर भी बहुत कुछ उथल-पुथल हो रहा था। कई देशों में आधुनिकता के नाम पर कला में तमाम प्रयोग हो रहे थे। कलाकार स्वतंत्र होकर यथार्थवाद, प्रभाववाद, उत्तर प्रभाववाद सहित और भी कई वादों में मगन थे जबकि यहाँ बहुत कुछ होना शेष था। समय के साथ पश्चिम और पूरब के बीच सामंजस्य भी देखने को मिलने लगा था तकनीकी ज्ञान के साथ ही भारतीय भाव, विषय का मिलान तत्कालीन छात्र एवं कलाकार धीरे-धीरे करने लगे थे। अजंता जैसे भारतीय थाती के कलाकृतियों के नकल हेतु कला विद्यालयों से टीम जाने लगी थी जिसमें शिक्षक और विद्यार्थियों का समूह होता था जो कृतियों के समक्ष बैठकर उनके नकल तैयार करते थे और संस्थाओं में संग्रहित करते थे उस पर लगातार अध्ययन करते थे। बाद में समय बदलने लगा और दबे रूप में ही सही पर कुछ कलाकार ऐसे भी थे जो तकनीक तो सीखते थे पर करते अपनी ही मनमानी थे फलतः युरोपीय प्रभाव वाले बोझ से खुद को अलग कर सके कुछ ऐसे भी थे जो इन सभी से अलग कुछ नया करना चाह रहे थे और अपने रास्ते पर चलते हुए नया कर भी रहे थे जबकि कुछ बिना किसी संस्थान में गये ही अपने बलबूते अपने कृतियों के माध्यम से अपनी पहचान बना रहे थे। यही वजह है कि राजा रवि वर्मा का नाम संस्थानों से अलग खुद एक संस्थान के रूप में लिया जाता है।

रीवा एयरपोर्ट लोकार्पण पर विशेष

विन्ध्य की उड़ान को लगे सुनहरे पंख!

राजेन्द्र शुक्ल

लेखक मध्यप्रदेश के उप मुख्यमंत्री हैं

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जब कहते थे कि वह दिन भी अब दूर नहीं जब हमारे देश के 'हवाई चप्पल वाले लोग भी हवाई जहाज में उड़ान भरेंगे' तब विरोधी इसे महज जुमला कहकर बात हवा में उड़ा देते थे। ऐसे लोगों को आज रीवा आकर देखना चाहिए कि सपना किस तरह यथार्थ के धरातल पर उतरकर चरितार्थ होता है।

20 अक्टूबर 2024 की तारीख विन्ध्यक्षेत्र के लिए ऐतिहासिक और अविस्मरणीय बनने जा रही है। हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी चिरप्रतीक्षित रीवा हवाई अड्डे का लोकार्पण करने जा रहे हैं। इस अवसर पर लोकप्रिय मुख्यमंत्री डा. मोहन यादव, रीवा के प्रभारी मंत्री श्री प्रह्लाद सिंह पटेल साथ ही विन्ध्य के सांसद-विधायक गण, उद्यमी व नागरिक गण हवाई अड्डे पर आयोजित गौरवमयी ऐतिहासिक समारोह के साक्षी रहेंगे।

प्रधानमंत्री मोदी रीवा में एक ऐसे हवाई अड्डे को लोकार्पित करने ने जा रहे हैं जो भविष्य में उत्तरमध्य भारत का सबसे महत्वपूर्ण एयर ट्रैफिक डेस्टिनेशन बनकर उभरेगा ही इस क्षेत्र को विकास के उच्च पायदान पर स्थापित करेगा। औद्योगिक निवेश और पर्यटन के लिए वैश्विक संभावनाओं का पथ प्रशस्त होगा।

दो वर्ष पूर्व इंदौर में आयोजित ग्लोबल इनवेस्टर्स मीट में विश्वभर के उद्यमियों के बीच माननीय ज्योतिरादित्य सिंधिया जी(तत्कालीन नागरिक विमानन व उड्डयन मंत्री) ने सगर्व यह घोषणा की थी कि हम मध्यप्रदेश का छठवे हवाईअड्डे को निर्मित और विकसित करने जा रहे हैं। उनकी इस घोषणा ने दुनियाभर के उन उद्योगपतियों के ध्यान को आकृष्ट किया जो यहाँ पावर व माइनिंग सेक्टर, वाइल्ड लाइफ टूरिज्म, फूड प्रोसेसिंग इन्डस्ट्रीज की संभावनाओं को देखते हैं। शिक्षा व स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश करने वालों के लिए यह अवसरों का दरवाजा खोलने वाला है। यह सुयोग है कि 23 अक्टूबर को रीवा में विन्ध्य में इन्वेस्टर समिट और रीजनल इन्डस्ट्रियल कान्क्लेव का आयोजन है। यह हवाई अड्डा विन्ध्यक्षेत्र के सर्वांगीण विकास की दृष्टि से एक्सीलेटर की भूमिका निभाएगा यह मेरा दृढ़ विश्वास है।

मुझे यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि रीवा का हवाईअड्डा कई चरणों में विकसित हो रहा है। प्रथम चरण में 72 सीटर यात्री विमान के उड़ान की सुविधा प्रारंभ हो रही है। पाँच साल में रीवा का हवाईअड्डा बोइंग की लैंडिंग और अन्तर्राष्ट्रीय उड़ानों के लिए बनकर तैय्यार रहेगा। वह दिन दूर नहीं जब यहां से विदेशों के लिए भी हवाई जहाज उड़ने लगेंगे।

रीवा एयरपोर्ट शिलान्यास के बाद रिकॉर्ड समय में बनकर तैयार हुआ है, इस उपलब्धि के लिए भारतीय विमान प्राधिकरण व स्थानीय प्रशासन अभिनंदन का पात्र है। हवाई यातायात की सुविधा की दृष्टि से रीवा

अब भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, खजुराहो की श्रेणी में आकर खड़ा हो गया है। भविष्य में हम और भी आगे बढ़ेंगे।

देश में मोदी जी और प्रदेश में डा. मोहन यादव के कुशल और फलदायी नेतृत्व के अनुभव को देखते हुए मैं यह विश्वास पूर्वक कह सकता हूँ कि अगले पाँच वर्षों के भीतर हम-सब का सपना पूर्णरूपेण यथार्थ के धरातल पर उतर जाएगा। यह विन्ध्य की आशाओं के केन्द्र रीवा के विकास का श्रेष्ठ व उन्नत दौर है जो स्वतंत्रता के अमृतकाल में प्रारंभ हो हुआ है।

मैं जब कहता हूँ कि अब रीवा मध्यप्रदेश के ही नहीं देश के समुन्नत और श्रेष्ठ महानगरों की श्रेणी में कदमताल मिलाकर चल पड़ा है तो इसके पीछे ठोस आधार है। 1956 तक रीवा विन्ध्यप्रदेश की राजधानी रहा है और तब इसकी हैसियत भोपाल, लखनऊ, पटना और भुवनेश्वर जैसे शहरों के समकक्ष थी। कांग्रेस सरकार ने राजनीतिक द्वेषवश रीवा से एक प्रदेश की राजधानी का गौरव छीन लिया।

1956 से 2004 तक यह उपेक्षित और अभिशप्त पड़ा रहा। विन्ध्य में आज जो प्राकृतिक संसाधन हैं वो कल भी थे। आम नागरिकों में विकास की ललक और अपेक्षाएं कल भी वैसी ही थीं। केन्द्र में अटलजी और उसके बाद मोदीजी की नेतृत्व की व प्रदेश में शिवराज सिंह चौहान और अब डा.मोहन यादव के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने आहत और उपेक्षित विन्ध्यवासियों की पीड़ा और भावनाओं को समझा है। आज यह क्षेत्र कई मामलों देश में अग्रगण्य है।

जब मैं कहता हूँ कि रीवा एयरपोर्ट उत्तरमध्य भारत का सबसे महत्वपूर्ण एयरपोर्ट होगा तो मेरी दृष्टि के सामने सिंगरौली का पावर काम्प्लेक्स उभरकर सामने आता है। सिंगरौली में थर्मल प्लांटस में 20,000 मेगावाट से ज्यादा विद्युत उत्पादन होता है। देश का यह सबसे बड़ा पावर काम्प्लेक्स है। रीवा इंदौर की तर्ज पर आगे बढ़ रहा है। शहरी विकास की रेटिंग एजेंसियां रीवा को संभावनाओं का महानगर बता रहे हैं। इन्हीं सबके आधार पर मैं यह कहता हूँ कि रीवा एयरपोर्ट विन्ध्य के उन्नत उडान के लिए स्वर्णिम पंख लगाने जा रहा है। रीवा एयरपोर्ट के फलितार्थ होने में भी परिश्रम की पराकाष्ठा शामिल है। मैं आभारी हूँ तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज जी का, मुझे वह तारीख 13 जनवरी 2015 आज भी याद है जब उन्होंने सिविल एविएशन मिनिस्ट्री को रीवा में एयरपोर्ट की संभावनाओं के अध्ययन के लिए पत्र लिखा। इसके बाद वह सिलसिला चल निकला। प्रधानमंत्री जी ने किफायती दरों वाली उडान योजना लांच की तो उन्हीं की कृपा से रीवा 'उडान' में शामिल हो गया। सिंधिया जी ने जब से उड्डयन विभाग की कमान सँभाली रीवा एयरपोर्ट उनकी प्राथमिकता में सर्वोपरि रहा। एयरपोर्ट अथॉरिटी ने प्रदेश सरकार से कहा कि हमें रीवा के लिए 258 एकड़ भूमि और चाहिए। मुख्यमंत्री जी ने बिना वक्त गँवाए इसके लिए 209 करोड़ रुपये उपलब्ध करा दिए। जब जनसेवा का भाव और संकल्प प्रबल होता है तब दैवयोग से सभी कार्य ऐसे ही सधते जाते हैं जैसे कि रीवा एयरपोर्ट की कल्पना और उसे अब यथार्थ के धरातल पर उतरते हुए देखना। मैं विन्ध्यजनों की ओर से, रीवा के नागरिकों की ओर विनयवत हूँ, आभारी और कृतज्ञ हूँ।

करवा चौथ

चकाचौंध के बीच गायब होता पारंपरिक महत्व

आकाश वर्मा

भारत मे करवा चौथ विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाने वाला एक पारंपरिक त्यौहार है, जो मुख्य रूप से उत्तर भारत में हिंदू संस्कृति में निहित है। यह एक ऐसा दिन है जब पत्नियाँ सूर्योदय से लेकर चाँद निकलने तक उपवास रखती हैं, अपने पतियों की लंबी उम्र, स्वास्थ्य और समृद्धि के लिए प्रार्थना करती हैं। यह त्यौहार बहुत उत्साह के साथ मनाया जाता है, जिसमें अनुष्ठान, सुंदर पोशाक और भक्ति की भावना होती है, विवाहित महिलाओं द्वारा मनाया जाने वाला पारंपरिक हिंदू त्योहार करवा चौथ, हाल के वर्षों में एक महत्वपूर्ण परिवर्तन से गुजरा है। जो कभी भक्ति और प्रेम का एक मार्मिक प्रदर्शन था, वह अब उपभोक्तावाद और सोशल मीडिया द्वारा संचालित एक ग्लैमरस तमाशा बन गया है। त्योहार का मूल आध्यात्मिक महत्व धीरे-धीरे खत्म हो रहा है, इसकी जगह दिखावे और प्रतिस्पर्धा की संस्कृति ने ले ली है। लेकिन हाल के वर्षों में, करवा चौथ की चकाचौंध से व्यवसाइयों के लिए एक आकर्षक बाजार बन गया है, जिसने इस त्यौहार के उत्सवी पहलू को भी अपने कब्जे में ले लिया है, जिससे इसका आध्यात्मिक सार सिर्फ एक दिखावा बनकर रह गया है। करवा चौथ का व्रत रह रही डॉ. नम्रता मिश्रा का कहना है कि करवाचौथ आस्था और अटूट श्रद्धा का पर्व है इससे पति और पत्नी का रिश्ता सुदृण होता है, इस दिन महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना करती है, स्त्रियां सोलह सिंगार करती है और चन्द्रमा की पूजा करती है। करवा चौथ का महत्व पहले भी था और आज भी है। उनये यह पूछने पर की यह करवा चौथ कब से शुरु हुआ टीवी शो के पहले या टीवी शो के बाद तो उनका जवाब था टीवी शो के बाद । अगर हिंदू धर्म की बात करें तो पूर्व से ही या यूं कहे कि प्राचीन काल से ही हरतालिका तीज (तीजा) का त्योहार मनाया जाता है जिसमे महिलाएं अपने पति की दीर्घायु और मंगल के लिये निर्जला व्रत रखती है । हरतालिका व्रत देवी पार्वती और भगवान शिव के पुनर्मिलन का प्रतीक है। पौराणिक कथाओं के अनुसार, पार्वती अपने पिछले जन्म में सती के रूप में पैदा हुई थीं और उनकी मृत्यु के बाद, शिव का प्यार जीतने के लिए उन्होंने पार्वती के रूप में पुनर्जन्म लिया था। यह व्रत भक्ति और वैवाहिक बंधन की मजबूती का प्रतीक है। करवा चौथ की उत्पत्ति विभिन्न किंवदंतियों से जुड़ी हुई है, लेकिन सबसे लोकप्रिय कहानियों में से एक वीरवती की कहानी है। पौराणिक कथा के अनुसार, वीरवती नाम की एक खूबसूरत राजकुमारी ने अपना पहला करवा चौथ का व्रत अपने पति के लिए रखा था, जो उससे बहुत दूर रहता था। जैसे-जैसे दिन चढ़ता गया, वह कमजोर होती गई और भूख और प्यास सहन करने में असमर्थ हो गई, उसने अपने भाइयों से उसका उपवास तोड़ने में मदद करने के लिए कहा। उन्होंने दर्पण का उपयोग करके उसे उसके पति की नकली छवि दिखाकर धोखा दिया और दावा किया कि वह खतरे में है। परेशान होकर उसने अपना व्रत तोड़ दिया. बाद में उसे पता चला कि उसके पति की वास्तव में मृत्यु हो गई है। वीरावती का दिल टूट गया और उसने बहुत प्रार्थना की और देवी के आशीर्वाद से वह उसे पुनर्जीवित करने में सफल रही। अपनी गलती का एहसास होने पर उसने हर साल समर्पण भाव से व्रत रखने का संकल्प लिया। इस कथा को पढ़कर सहज ही लगता है कि यह व्रत वास्तविक रूप एक पत्नी के प्यार और समर्पण की ताकत का प्रतीक है, जो करवा चौथ को कई महिलाओं के लिए प्रार्थना और उपवास का दिन बनाती है, जो अपने पतियों की भलाई और लंबी उम्र की कामना करती हैं। मगर वर्तमान मे टेलीविजन शो, फ़िल्में और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने करवा चौथ को एक ग्लैमरस इवेंट के रूप में दिखा कर इसको अलग ही आयाम दिया हैं, जिसमें विस्तृत सजावट, डिजाइनर कपड़े और महंगे गहने होते हैं। इस सतही चित्रण ने अवास्तविक अपेक्षा पैदा की हैं, जिससे महिलाओं पर सामाजिक मानदंडों के अनुरूप होने का दबाव बना है। करवा चौथ की इस चकाचौंध ने एक परेशान करने वाली प्रवृत्ति को जन्म दिया है, जहाँ महिलाएँ आध्यात्मिक आह्वान के बजाय सामाजिक दायित्व के रूप में इस त्यौहार में भाग लेने के लिए बाध्य महसूस करती हैं। बाहरी दिखावे और भौतिक संपत्तियों पर ज़ोर ने त्यौहार के मूल मूल्यों से ध्यान हटा दिया है। अब महिलाओं से अपेक्षा की जाती है कि वे बिल्कुल सही दिखें, डिजाइनर कपड़े पहनें और भव्य पार्टियाँ आयोजित करें, बजाय इसके कि वे आत्मनिरीक्षण और आत्म-चिंतन पर ध्यान केंद्रित करें, जो कि इस त्यौहार का मूल उद्देश्य था। जैसे-जैसे करवा चौथ का व्यवसायीकरण होता जा रहा है, इसका आध्यात्मिक महत्व भी खत्म होता जा रहा है। इस त्यौहार का मूल उद्देश्य - पति-पत्नी के बीच गहरा संबंध बनाना और आध्यात्मिक विकास करना - इस चकाचौंध के बीच कहीं खत्म होता जा रहा है।

इस अनुष्ठान का अर्थ मात्र औपचारिकता बनकर रह गया है, जिसमें किसी भी तरह की वास्तविक भावनात्मक या आध्यात्मिक प्रतिध्वनि नहीं है। करवा चौथ के आध्यात्मिक सार को पुनः प्राप्त करना और इसके मूल महत्व को फिर से खोजना आवश्यक है। महिलाओं को त्यौहार के सतही दिखावे से परे देखने और इसके मूल मूल्यों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। ऐसा करके, हम त्यौहार के आध्यात्मिक महत्व को पुनर्जीवित कर सकते हैं और इसे अधिक सार्थक, प्रामाणिक उत्सव बना सकते हैं। करवा चौथ का व्यवसायीकरण एक व्यापक सांस्कृतिक बदलाव का लक्षण है, जहाँ उपभोक्तावाद की वेदी पर आध्यात्मिक मूल्यों की बलि दी जाती है। जब हम इस त्यौहार को मनाते हैं, तो हमें इसके मूल उद्देश्य को नहीं भूलना चाहिए। आइए हम इसके आध्यात्मिक महत्व को पुनर्जीवित करने का प्रयास करें और इसके द्वारा दर्शाए गए निस्वार्थ प्रेम और भक्ति का सम्मान करें।

वेब सीरीज समीक्षा

आदित्य दुबे

(लेखक वेबसाइट ई-अन्तर्भव में प्रबंध निदेशक है)

अनुपम खेर के विलक्षण अभिनय से सजी -'द सिग्नेचर'

जब आपका कोई अपना आसन्न मृत्यु के नज़दीक हो ,डॉक्टर उसे जीवित रखने में सर्वथा विफल हो और उपचार की तमाम सम्भावनाएं समाप्त हो चुकी हों तब मेडीकल प्रोटोकॉल में परिजन को उस मरीज़ के लिये एक प्रपत्र पर हस्ताक्षर करके देना होता है जिसे डी एन आर कहते हैं - डू नॉट रेसुसटेट इस प्रपत्र पर हस्ताक्षर करने का मायना होता है कि आप डॉक्टर को मरीज़ को जीवित रखने से निषेध की अनुमति दे रहे हैं। इस एक दस्तावेज पर परिजन जब हस्ताक्षर करते हैं तो वो बड़ा मार्मिक दृष्य होता है । के सी बोकाड़िया इसी संवेदनशील कथानक के साथ- ' द सिग्नेचर ' फिल्म के माध्यम से ओटीटी के क्षेत्र में कदम रख रहे हैं। हिन्दी सिनेमा में सबसे तेज पचास फिल्में बनाने वाले निर्माता के सी बोकाडिया की दूसरी पारी इस फिल्म के साथ ओटीटी पर शुरू हो रही है और अपनी दूसरी पारी की पहली गेंद को ही उन्होंने मैदान के बाहर पहुँचाकर अपनी मेधा और क्षमता को प्रदर्शित किया है । द सिग्नेचर , एक अवार्ड विनिंग फिल्म है जो अनुपम खेर के बेजोड़ अभिनय से सजी है ।

समूचा जीवन बच्चों की परवरिश में गुजार देने वाले दम्पती अक्सर रिटायरमेंट के बाद अपने बच्चों के पास विदेश घूमने की योजना बनाते हैं। रोशनी उनको हर तरफ दिखती है लेकिन, बटन बन्द होते ही ये रोशनी चली जानी है। जीवन ऐसा ही है। पता ही नहीं चलता कि किस रात हम बटन बन्द करके सोएंगे और शायद सुबह उठे ही नहीं। मृत्यु ऐसी ही होनी चाहिए। न खुद को कष्ट, न घरवालों को कष्ट। ईश्वर किसी को उस हालत में न लाये जब अस्पताल में उसे 'डीएनआर' पर सिगनेचर करना हो। मतलब, अपने किसी करीबी के बारे में ये लिखकर देना हो कि जब उसके दिल की धड़कन बंद हो तो उसे कृत्रिम तरीके से दोबारा चलाने की कोशिश न की जाए। और अधिकतर अस्पताल इन दिनों कैसे होते हैं, ये तो पता ही है। साफ जवाब मिलता नहीं है, मरीज की साँस मशीन से चलती रहती है। घरवाले पैसा जुटाते जुटाते

सड़क पर आ जाते हैं।

अनुपम खेर एक विलक्षण अभिनेता हैं और बीते कल में यदि -' साराँश ' और' डैडी ' से उनकी श्रेष्ठता साबित हुई थी तो इस पीढ़ी को 'द सिग्नेचर' से उनके अभिनय की थाह जाँचने का अवसर मिलेगा । अनुपम खेर ने इस फिल्म में अनुपम खेर ने वृद्ध पिता की भूमिका निभाई है । बेटी का विवाह कर चुका पिता जब यह कहता है कि बेटों से हमेशा चमत्कार की कोशिश नहीं करनी चाहिए तो वह पूरी एक पीढ़ी का दर्द समेटकर परदे पर रख देता है। यह फिल्म पहले फ्रेम से आखिरी फ्रेम तक अनुपम खेर की है। नेशनल अवार्ड विनिंग फिल्म है 'द सिगनेचर'। खुद से, परिवार से, समाज से हताश एक इंसान को जब उसके पहले प्यार में रोशनी नजर आती है और यह रोशनी नजर आते ही उसकी आँखों पर पड़ा परदा जो हटता है तो फिर क्या ही हाथ आ पाता है.. ! रुलाई फूट ही पड़ती है, इस आखिरी दृश्य में। टूटी जिल्द से किताबें बनाने की यह कोशिश बहुत मार्मिक है !

मराठी रंगमंच और सिनेमा का बड़ा नाम रहे लेखक,निर्देशक गजेंद्र अहिरे ने फिल्म ' सिगनेचर ' में आखिरकार वह आसमान नाप ही लिया, जिसके वह हकदार रहे हैं । गजेंद्र की हिन्दी में ये चौथी फिल्म है। मानवीय संवेदनाओं के वह चितेरे हैं। कैमरे की कूची से रुपहले परदे के कैनवास पर उन्होंने फिल्म 'द सिगनेचर' में जिंदगी लिखी है।

गजेन्द्र अभी तक दो बार नेशनल अवार्ड जीत चुके हैं ।फिल्म में अभिनय का जहाँ तक सवाल है महिमा चौधरी ने अपने अभिनय से मिटा दिया रील और रीयल का फर्क । बिना विग पहने कैमरे के सामने चली आने वाली अभिनेत्री महिमा चौधरी ने तो दिल जीत लेने वाला काम किया है। उनके अस्पताल पहुँचने से ही कहानी का असली ट्विस्ट आता है। अरविंद पाठक को अस्पताल में आईसीयू में भर्ती अपनी पत्नी के लिए डीएनआर लिखने की हिम्मत अपनी इस पूर्व साथी से ही मिलती है। अनुपम खेर की बेटी बनीं संगीता बोकाडिया जैन का अभिनय भी प्रभावशाली है और भविष्य में उनसे कुछ और कमाल करने की उम्मीदें जगाता है। अन्नू कपूर भी फिल्म में दम भरते नजर आते हैं। हालांकि, उनका किरदार हमेशा की तरह यहां भी ओवरएक्टिंग का शिकार हो गया है। फिल्म 'द सिगनेचर' को मजबूती से थामे रहने में इसके सहायक कलाकारों ने भी कमाल काम किया है। कारोबारी चिकित्सक के रूप में मनोज जोशी का व्यक्तित्व कहानी की बुनावट करता है । रणवीर शौरी ने अपने अभिनय के माध्यम से कमाल का काम अपने छोटे से स्पेशल अपीयरेंस में किया है। केविन गाँधी का ताव देखते ही बनता है।

बोरदेही में निशुल्क स्वास्थ्य शिविर आयोजित, 58 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

बैतूल। ग्राम बोरदेही में आरोग्य अनुसंधान वेलफेयर फउण्डेशन बैतूल एवं डॉक्टर जगन्नाथ यदुवंशी द्वारा निःशुल्क स्वास्थ्य परामर्श एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदान के लिए ग्रामीण बड़ी संख्या में लोग आगे आए। बोरदेही जैसे ग्रामीण क्षेत्र में भी 58 ग्रामीणों ने अपने रक्त का दान किया। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर पर क्षेत्रीय विधायक डॉ योगेश पण्डाग्रे, जनपद अध्यक्ष गणेश यादव, भाजपा मण्डल अध्यक्ष ग्रामीण यशवंत यादव, महेश मर्सकोले, बी.एम.ओ. डॉ अशोक नरवरे, सरपंच सरिता साहू, डॉ अंकुर राठौर, टीआर सरसोदे सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और ग्रामीण उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन जगन्नाथ यदुवंशी ने किया। श्री यदुवंशी ने बताया कि जन-औषधी दूसरी दवाईयों की तुलना में काफी सस्ती मिलती है। इसके प्रचार-प्रसार के लिए समय-समय पर शिविर लगाकर ग्रामीणों को इसकी उपयोगिता के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

छात्राओं को लिफ्ट देकर छेड़छाड़ करने वाला आरोपी गिरफ्तार

बैतूल। बैतूल बाजार पुलिस ने नाबालिग बालिकाओं के साथ छेड़छाड़ करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। 18 अक्टूबर को थाना बैतूल बाजार में अज्ञात मोटर साइकिल वाहन चालक द्वारा नाबालिग बालिकाओं को लिफ्ट देने के बहाने उनसे साथ छेड़छाड़ करने की शिकायत प्राप्त हुई। मामले की गंभीरता को

देखते हुए बैतूल बाज़ार पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ अपराध पंजीबद्ध कर जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने घटना स्थल के आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की मदद से आरोपी की पहचान की। मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर 24 घंटे के भीतर आरोपी अंकित पवार पिता उदल पवार उम्र 30 साल निवासी डहरगांव थाना कोतवाली को गिरफ्तार कर घटना के दौरान उपयोग की गई मोटर साइकिल भी जब्त की गई। इस कार्रवाही में थाना प्रभारी निरीक्षक अंजना धुर्वे, उपनिरीक्षक चित्रा कुमरे, उपनिरीक्षक मस्तकार, उपनिरीक्षक विनोद मालवीय, सायबर सेल टीम, प्रआर अशोक झरबडे, प्रआर अरूण, प्रआर निर्मल, प्रआर दीवानसिंह, प्रआर अजय, आर अरुण, आर कमल चौरे, आर कमल पवांर, आर दीपेन्द्र, आर बलराम, और महिला आरक्षक स्नेहल ने अहम भूमिका निभाई।

पुलिस अधीक्षक की नागरिकों से अपील- पुलिस अधीक्षक निश्चल एन झारिया ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने परिवार और बच्चों की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। यदि किसी भी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि या घटना सामने आती है, तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। पुलिस का प्रमुख उद्देश्य महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है, और इसमें समाज का सहयोग अत्यंत आवश्यक है। नाबालिगों से संबंधित अपराधों में त्वरित कार्रवाई के लिए पुलिस सदैव तत्पर है, लेकिन इसके लिए समय पर जानकारी मिलना महत्वपूर्ण है। पुलिस अधीक्षक ने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों को अच्छे और बुरे स्पर्श के बारे में जागरूक करें और उन्हें समझाएं कि किसी भी प्रकार की अनुचित घटना पर वे बेझिझक अपने माता-पिता या पुलिस से संपर्क करें। श्री झारिया ने समाज के सभी वर्गों से आग्रह किया कि वे कानून व्यवस्था बनाए रखने और महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस के साथ सहयोग करें।

पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा , विधायक नीना वर्मा , विधायक कालू सिंह ठाकुर को भाजपा जिलाध्यक्ष ने दिलाई सक्रिय सदस्यता

धार। शनिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष मनोज सोमानी के नेतृत्व में भाजपा जिला सदस्यता टोली ने भाजपा भाजपा वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री विक्रम वर्मा, धार विधानसभा क्षेत्र विधायक नीना वर्मा, धरमपुरी

विधायक कालू सिंह ठाकुर को भाजपा सक्रिय सदस्यता की प्रक्रिया पूर्ण कर आवेदन प्राप्त कर सक्रिय सदस्यता ग्रहण कराकर अभियान का शुभारंभ किया। श्री सोमानी ने बताया कि रविवार को जिले के सभी मंडलों में पार्टी कार्यकर्ता अधिक से अधिक संख्या में सक्रिय सदस्य बनकर इतिहास बनाएंगे। पार्टी के संविधान के अनुसार प्राथमिक सदस्य बनाने वाले कार्यकर्ता सक्रिय सदस्य बन सकते हैं। प्रदेश संगठन ने सक्रिय सदस्य बनने के लिए 50 सदस्य बनना अनिवार्य किया गया है। सक्रिय सदस्यता अभियान 31 अक्टूबर तक चलाया जायेगा। इस अवसर पर जिला महामंत्री प्रकाश धाकड़ भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर और नितेश अग्रवाल जिला कार्यालय मंत्री जगदीश जाट,भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा उपस्थित रहे। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

उद्धवदास मेहता स्मृति न्यास ने डा कर्मा को आयुर्वेद सेवा सम्मान दिया

धार। पंडित भाई उद्धवदास मेहता स्मृति न्यास द्वारा भोपाल में आयोजित समारोह में आयुर्वेद चिकित्सा के प्रति समर्पित ख्यात और सेवाभावी चिकित्सकों का सम्मान किया गया। इस वर्ष धार नगर के प्रसिद्ध आयुर्वेद एवं पंचकर्म चिकित्सक डाक्टर दिनेश कर्मा को आयुर्वेद

सेवा के प्रति समर्पण और निष्ठा के लिए ÷पंडित उद्धवदास मेहता स्मृति आयुर्वेद सेवा सम्मान 2024÷ से सम्मानित किया गया है। भोपाल में शुक्रवार को राज्यपाल मंगू भाई पटेल द्वारा यह सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने बताया कि स्व. पंडित उद्धव दास मेहता भोपाल के सुप्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक थे। उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन भारतीय संस्कृति, परंपराओं और संस्कारों के लिए समर्पित किया। वे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे और स्वतंत्रता के पश्चात भोपाल के विलीनीकरण आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। इसलिए यह सम्मान समारोह न केवल डाक्टर कर्मा के लिए बल्कि पूरे आयुर्वेद समुदाय के लिए एक गर्व का पल है। जो आयुर्वेद के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।जानकारी धार विचार मंच के कमलेश कुमार ने दी।

10 महीने पहले जिला अस्पताल से रिटायर हुए थे रेडियोलॉजिस्ट, अभी तक नये डॉक्टर की पदस्थापना नहीं

मरीजों को निजी अल्ट्रासाउंड सेंटरों से कराना पड़ रहा सोनोग्राफी, जेब हो रही हल्की

संजय द्विवेदी, बैतूल।

जिला अस्पताल बिना रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर के संचालित हो रहा है, यहां जो रेडियोलॉजिस्ट पदस्थ थे, वे पिछले साल दिसंबर 2023 में रिटायर हो चुके है, तब से लेकर वर्तमान तक नये रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर की पदस्थापना नहीं हो पाई है। जिस समय डॉक्टर के रिटायरमेंट की तिथि नजदीक थी, उसी समय अस्पताल प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग को आगह कर दिया था कि नये डॉक्टर की पदस्थापना नहीं हुई तो मरीजों की सोनोग्राफी करने में दिक्कते होगी, मुश्किलें और बढेगी, लेकिन विभाग ने भी इस दिशा में ज्यादा ध्यान नहीं दिया। अब जिला अस्पताल में पेट से संबंधित मरीजों की सोनोग्राफी नहीं होने से उन्हें परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। दरअसल जिला अस्पताल में पदस्थ रेडियोलॉजिस्ट डॉ. ओपी यादव पिछले साल 31 दिसम्बर 2023 को रिटायर हो गए। रिटायरमेंट के 10 महीने बाद भी जिला अस्पताल में नए डॉक्टर की पदस्थापना नहीं हो सकी, जिससे अस्पताल में सोनोग्राफी का कार्य प्रभावित हो गया है। केवल महिला डॉक्टर द्वारा इमरजेंसी में गर्भवती महिलाओं की सोनोग्राफी की जा रही है, इसके अलावा अतिरिक्त मरीजों की सोनोग्राफी जांच नहीं होने से परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गौरतलब है कि जिला अस्पताल में प्रतिदिन 500 से एक हजार से अधिक मरीज इलाज कराने आते है। ऐसे में डॉक्टर जिन्हें पेट संबंधी परेशानी है, उन्हें सोनोग्राफी कराने की सलाह देते है, लेकिन जिला अस्पताल में डॉक्टर नहीं होने से मरीजों को शहर के प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटर जाना पड़ता है।

शासन को कई बार कराया अवगत, नहीं हुई पदस्थापना- जिला अस्पताल प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग भोपाल को पत्र के माध्यम से कई बार रेडियोलॉजिस्ट नहीं होने की जानकारी दी। विभाग की तरफ से भी अभी तक कोई जवाब नहीं आया है कि कब तक डॉक्टर की पदस्थापना होगी। अस्पताल के अधिकारियों के मुताबिक रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर रिटायर होने वाले थे, उसके एक पखवाड़े पहले से ही पत्र जारी किया और डॉक्टर की मांग की थी। इसके बाद भी अनेको बार पत्राचार किया. किन्तु रेडियोलॉजिस्ट डॉक्टर की पदस्थापना नहीं हुई है। जिससे लोगों के साथ-साथ डॉक्टरों की भी परेशानी बढ़ गई है कि वे मरीज के सही उपचार के लिए सोनोग्राफी नहीं करवा रहे है। बिना सोनोग्राफी के जांच करना या निजी सेंटरों से सोनोग्राफी करवाने की सलाह देना डॉक्टरों के लिए भी परेशानी का कारण बन गया है।

गरीब मरीजों पर पड़ती है आर्थिक मार- जिला अस्पताल में निःशुल्क सोनोग्राफी की जाती है, लेकिन यहां डॉक्टर नहीं होने से मरीजों को निजी सेंटरों पर सोनोग्राफी करवानी पड़ रही है। जिसमें सबसे अधिक आर्थिक मार गरीब वर्ग के मरीजों पर पड़ती है। जहां पर अल्ट्रासाउंड जांच के लिए उनको 800 से 900 रुपए चुकाना होते हैं। यही सोनोग्राफी जिला अस्पताल में निःशुल्क हो जाती थी। कई लोगों के पास रूपए नहीं होने पर सोनोग्राफी तक नहीं करवा पा रहे है। लेकिन अभी अस्पताल में नये रेडियोलॉजिस्ट को लेकर कोई ठिकाना नहीं है। कब तक नए डॉक्टर अस्पताल को मिलेगा, यह बताना भी अभी संभव नहीं है।

अगले महीने फिर दो डॉक्टर हो रहे रिटायर

जिला अस्पताल से अगले महीने सिविल सर्जन डॉ. अशोक बारंगा और इंटीग्रेटेड पैथालॉजी लैब के इंचार्ज डॉ. डब्ल्यूए नागले रिटायर हो रहे हैं। जिसके बाद दो बड़े पद यानी सिविल सर्जन और इंटीग्रेटेड पैथालॉजी लैब इंचार्ज के पद रिटायरमेंट के बाद 30 नवंबर को खाली हो जाएंगे। ऐसे में अस्पताल की व्यवस्था और गडबड़ा सकती है। सीएमएचओ डॉ रविकांत उडके ने बताया कि जो पद खाली हो रहे हैं उनके वैकल्पिक इंतजाम करने प्रयास किए जा रहे हैं। शासन को भी इस संबंध में लिखा है। वर्तमान में जिला अस्पताल की इंटीग्रेटेड पैथालॉजी लैब में 12 कर्मचारियों का स्टाफ है। पैथालॉजी लैब के संचालन के लिए पैथालॉजी में स्नातकोत्तर की डिग्री होना जरूरी है। इंटीग्रेटेड पैथालॉजी लैब के इंचार्ज डॉ. डब्ल्यूए नागले ने बताया कि शासन की ओर से ही व्यवस्थाएं की जाएंगी हम क्या कर सकते हैं। वैसे लैब के संचालन के लिए फिलहाल कोई भी स्नातकोत्तर पैथालॉजी की डिग्री वाला कर्मचारी नहीं है।

इनका कहना

उच्च अधिकारियों के निर्देशानुसार रेडियोलॉजिस्ट का पद खाली होने के कारण, शिशु रोग विशेषज्ञों द्वारा ही गर्भवती महिलाओं की सोनाग्राफी की जा रही है। रेडियोलॉजिस्ट नहीं होने की जानकारी शासन को पत्र भेजकर कई बार अवगत कराई जा चुकी है, लेकिन अभी तक रेडियालॉजिस्ट की नियुक्ति नहीं हुई, जिसके कारण अन्य बीमारियों के मरीजों की सोनाग्राफी जिला अस्पताल में नहीं हो पा रही है।

- डॉ. अशोक बारंगा,
सिविल सर्जन, जिला अस्पताल, बैतूल

नगर में महिलाओं ने करवाचौथ की तैयारियां की पूरी

पति की लंबी आयु के लिए रखेंगी व्रत

भौरा। नगर की महिलाओं द्वारा आज 20 अक्टूबर को करवा चौथ का व्रत रखा जाएगा, जो पति की लंबी आयु और सुख-समृद्धि के लिए किया जाता है। इस अवसर पर महिलाओं ने तैयारियों को जोर-शोर से पूरा कर लिया है। साज-सज्जा और परंपरागत पूजा की सामग्री की खरीदारी बीते दिनों से ही जारी रही, वहीं करवा चौथ की सजीवता बाजारों में भी देखी गई। मेहंदी लगाने से लेकर पारंपरिक परिधानों तक, महिलाओं ने हर एक पहलू पर खास ध्यान दिया है। इस व्रत को लेकर महिलाओं में खास उत्साह देखा जा रहा है। व्रत की शुरुआत सूर्योदय से पहले सर्गी खाने से होगी, जिसके बाद वे पूरे दिन निर्जला उपवास रखेंगी। शाम को चांद के दर्शन के बाद पति के हाथ से जल ग्रहण कर व्रत तोड़ा जाएगा। इस दिन को खास बनाने के लिए अनेक महिलाएं सामूहिक रूप से भी पूजा करेंगी, जहां कथा सुनाई जाएगी और करवा चौथ के पारंपरिक रीति-रिवाजों का पालन किया जाएगा। भौरा नगर में रोशनी,ज्योति, प्रिया, दीपिका, पूजा जैसी कई महिलाओं ने बताया कि यह व्रत उनके लिए अत्यधिक श्रद्धा और प्रेम का प्रतीक है। वे इसे हर साल मनाती हैं और इसका पालन पूरी आस्था और समर्पण के साथ करती हैं। इस दिन की खास पूजा में करवा चौथ की कथा सुनना, मिट्टी के करवे में जल भरना और पति की लंबी उम्र की कामना करना शामिल है। स्थानीय बाजार में पूजा की सामग्री जैसे करवा, सिन्दूर, चूडिय़ां, कपड़े और मिठाइयों की खासी मांग रही। दुकानदारों ने बताया कि महिलाओं ने इस बार भी खास जोश के साथ करवा चौथ की खरीदारी की, जिसमें पारंपरिक परिधान और सजावटी सामान सबसे अधिक पसंद किए गए। इस अवसर पर बाजारों में मेहंदी कलाकारों की भी अच्छी खासी व्यस्तता देखी गई। करवा चौथ का व्रत न सिर्फ एक धार्मिक अनुष्ठान है, बल्कि यह दांपत्य जीवन में प्रेम और एकता का भी प्रतीक है।

वाटरप्रूफ डोम में आज बालाजीपुरम में मनाया जाएगा सामूहिक करवा चौथ

गुजरात से आए पंडितों व्दारा कराई जाएगी विशेष पूजा

मंदिर प्रबंधन ने भोजन और पूजन का किया इंतजाम

बैतूल। हर साल की तरह इस साल भी आज रविवार 20 अक्टूबर को बालाजीपुरम में करवा चौथ का पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इसमें इस बार 500 से अधिक जोड़े शामिल होने की उम्मीद है। रविवार 20 अक्टूबर को होने वाले इस आयोजन के लिए सभी तैयारियां पूर्ण हो चुकी हैं। भारत के पांचवें धाम श्री रुक्मिणी बालाजी मंदिर बालाजीपुरम बैतूल में करवा चौथ पर सामूहिक पूजन के साथ सामूहिक भोज का आयोजन भी रविवार को किया गया है। पूर्णतः निशुल्क इस आयोजन में सभी दंपत्तियों को आमंत्रित किया गया है। भारत के पांचवें धाम श्री रुक्मिणी बालाजी मंदिर बालाजीपुरम बैतूल में सामूहिक करवा चौथ का आयोजन बीते काफी वर्षों से निरंतर हो रहा है। इस आयोजन के संबंध में बालाजीपुरम के प्रमुख पुजारी असीम पंडा स्वामी के अनुसार शाम 6 बजे से भगवान बालाजी की संध्या आरती

शुरू होगी। इसके बाद शाम 7 बजे से बालाजीपुरम मंदिर प्रांगण में बने भक्त निवास के सामने वाटरप्रुफ टेंट में सामूहिक पूजन का कार्यक्रम होगा। समय पर उपस्थित होने वाली सभी महिलाओं को पूजन सामग्री पूर्णतः निशुल्क दी जाएगी। इस पूजन में पति-पत्नी दोनों का आना अनिवार्य है।

बालाजीपुरम मन्दिर के मुख्य पुजारी असीम पंडा स्वामी ने बताया कि सामूहिक पूजन के लिए गुजरात से पंडितों का दल बैतूल आ चुका है। इसके साथ ही पूजन और सामूहिक भोज की तैयारियां भी पूर्ण हो चुकी हैं। रविवार को चन्द्रोदय भी इस वर्ष 8 बजे तक हो जाएगा। चन्द्रमा को अर्घ्य चढ़ाने के बाद परंपरा अनुसार पति अपनी पत्नी के लिए थाली सजाकर लाएंगे और व्रत के बाद पहला कौर खिलाएंगे। सभी दंपतियों के सामूहिक भोज के साथ ही शेष श्रद्धालुओं को भी भोजन प्रसादी दी जाएगी। बालाजीपुरम संस्थापक सेम वर्मा ने सभी दंपतियों से इस आयोजन में शामिल होने की अपील की है।

भौरा बाजार में सांडों की घमासान लड़ाई, दहशत में लोग, वाहनों से भरी सडक़ पर ,रुका यातायात

बैतूल/भौरा। साप्ताहिक बाजार के दौरान अचानक अफरा-तफरी मच गई, जब दो आवारा सांडों ने मुख्य बाजार की सडक़ पर भिड़ंत शुरू कर दी। शाम के समय बाजार में खरीदारी के लिए आई भीड़ देखते ही देखते अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगी। सांडों की लड़ाई इतनी खतरनाक थी कि कई दोपहिया वाहन, जो सडक़ किनारे खड़े थे, सांडों की चपेट में आकर गिर पड़े। सांडों के बीच जारी इस लड़ाई ने 10 मिनट तक मुख्य सडक़ पर आवागमन पूरी तरह से रोक दिया। लोग अपने वाहन छोडक़र भाग गए, जिससे बाजार की सडक़ों पर जाम लग गया। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि यह पहला मौका नहीं है जब आवारा सांडों ने इस तरह से बाजार की शांति भंग की हो। हमेशा कुछ न कुछ घटना होती रहती है, लेकिन इस बार सांडों की लड़ाई ने लोगों को काफी देर तक परेशान रखा। इस घटना में एक महिला, जो साप्ताहिक बाजार में सब्जी खरीदने आई थी, भी गिर गई। सांडों की लड़ाई से बचने के लिए भागते समय वह सडक़ पर गिर गई। गनीमत रही थी महिला को चोटे नहीं आई।

आवारा पशुओं की समस्या बनी सिरदर्द

भौरा नगर में आवारा पशुओं की समस्या गंभीर होती जा रही है। बाजार और मुख्य सडक़ पर बैठे पशु अक्सर राहगीरों और वाहन चालकों के लिए खतरा बन रहे हैं। स्थानीय निवासियों का कहना है कि आवारा पशुओं को लेकर पंचायत कोई ठोस कदम नहीं उठा रही जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं।

पंचायत पर उठे सवाल

नागरिकों का आरोप है कि ग्राम पंचायत आवारा पशुओं को पकडऩे की कोई कार्रवाई नहीं कर रही है, जिससे सडक़ों पर इस तरह की घटनाएं आम हो गई हैं। दुकानदारों और राहगीरों ने नगर प्रशासन से तुरंत आवारा पशुओं के लिए स्थायी समाधान की मांग की है। एक दुकानदार ने कहा, हमारा व्यवसाय प्रभावित हो रहा है, और प्रशासन की निष्क्रियता से हमें निराशा हो रही है। अगर जल्द ही समाधान नहीं निकाला गया तो, बाजार में ऐसे हादसे होते रहेंगे।

इनका कहना-

हमने ग्राम में अलाउंस कर दिया है कि सभी पशु मालिक अपने जानवरों को बांध कर रखें। अन्यथा पशुओं को कांजी हाउस में बंद किया जाएगा। जिसका जुर्माना पशु मालिकों से वसूला जाएगा।

- मीरा धुर्वे,
सरपंच, ग्राम पंचायत भौरा

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस में युवा उत्सव का आयोजन हुआ

धार। प्राचार्य प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस डॉ एस.एस. बघेल, प्रशासनिक अधिकारी डॉ गजेंद्र उज्जैनकर एवं डॉ. आर एस मंडलोई के मार्गदर्शन में दो दिवसीय युवा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। जिसमें प्रथम दिवस में शुभारंभ सत्र में डॉ अरुणा मोटवानी ने कहा कि युवा उत्सव वाकई में युवाओं का उत्सव है। इसे धूमधाम से मनाना चाहिए। इससे व्यक्तित्व में निखार आता है और बहुत कुछ सीखने को मिलता है। वही डॉ राजश्री विभूते ने संबोधित करते हुए कहा कि छात्र-छात्राओं को मंच मिलना और मंच पर अपनी प्रस्तुति देना अपने आप में अनूठा है और यदि इस मौके को आप भूना लेते हैं तो आप अपने व्यक्तित्व में निखार ला सकते हैं। डॉ कविता पाल ने कहा की भारत देश एक ऐसा देश है जहां पर विभिन्न प्रकार की कलाओं को सभी व्यक्ति जीते हैं। अन्य ऐसा कोई देश नहीं जहां पर गरबा होता हो। विभिन्न प्रकार के प्रतिदिन त्योहार मनाए जाते हो, प्रतिदिन कुछ ना कुछ विधाएं होती हो, यह अनूठा देश हमारा भारत ही है। कार्यक्रम की रूपरेखा युवा उत्सव प्रभारी डॉक्टर भावना परमार ने विस्तार पूर्वक बताई । कार्यक्रम का संचालन डॉ निर्भय सिंह सोलंकी ने किया तथा आभार डॉ एल एस निंगवाल ने माना। सरस्वती वंदना श्रुति बी ए तृतीय वर्ष ने प्रस्तुत की तथा स्वागत गीत जयदीप निगवाल ने गाया। इस अवसर पर डॉ लक्ष्मी बघेल, डॉ आरती बोरासी, डॉ प्रदीप शर्मा, डॉ भगवान सिंह पटेल, डॉ बीएस सिसोदिया, डॉ एच एस मंडलोई, डॉ एम एल कुमावत, डॉ चारु काशिव आदि उपस्थित थे। युवा उत्सव के साथ-साथ मतदाता जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। यह जानकारी युवा उत्सव प्रभारी डॉ भावना परमार ने दी।

दुर्गा पूजा पंडाल में काजोल बन गई सिंघम

जया बच्चन, रानी मुखर्जी, काजोल सहित तमाम बॉलीवुड स्टार दुर्गा पूजा में शामिल हुए। काजोल भी अपनी फैमिली के साथ दुर्गा पूजा पंडाल पहुंची। उन्होंने अजय देवगन और बेटे युग के साथ फैमिली का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसने लोगों का ध्यान खींचा। सोशल मीडिया यूजर्स ने काजोल और अजय देवगन के इस वीडियो में ऐसी चीज नोटिस की, जो चर्चा का विषय बनी और लोगों ने रिएक्शन दी।

काजोल अपनी फैमिली के साथ दुर्गा पूजा पंडाल पहुंची इसी दौरान काजोल ने अपने पति अजय देवगन और बेटे युग के साथ जमकर पोज दिए। इसका वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया। इसमें देखा जा सकता है कि काजोल फोटो क्लिक होने के दौरान पति अजय देवगन को सही से पोज देने के लिए चुटकी लेती नजर आई। इसके बाद लोग जमकर रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा 'पति और पत्नी वाली कॉमन चीजें!' एक यूजर ने लिखा 'सिंघम भी बीवी से डरता है!' एक यूजर ने लिखा 'सबकी वाइफ ऐसी ही होती हैं।' एक यूजर ने लिखा 'लगता है लड़ाई हुई है।'

अजय देवगन की फिल्म 'सिंघम अगेन' दिवाली पर सिनेमाघरों में रिलीज होगी। रोहित शेट्टी के डायरेक्शन में बनने वाली इस फिल्म में अजय देवगन के अलावा करीना कपूर, दीपिका पादुकोण, अर्जुन कपूर, टाइगर श्रॉफ, रवि किशन और जैकी श्रॉफ भी नजर आने वाले हैं। फिल्म 'सिंघम अगेन' को लेकर काफी उत्सुकता है। इस फिल्म का ट्रेलर हाल ही में रिलीज किया गया। वहीं, काजोल की पाइप लाइन में 'सरजमीन, दो पत्ती सहित कई फिल्म हैं। काजोल की इन फिल्मों का उनके फैंस इंतजार कर रहे हैं।

बर्थडे पर जलसा के बाहर भारी भीड़ उमड़ी

अमिताभ बच्चन 82 साल के हो गए। उनका जन्म 11 अक्टूबर को 1942 में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में हुआ था। बर्थडे के मौके पर अमिताभ बच्चन के घर 'जलसा' के बाहर का एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हुआ था। इस वीडियो में फैंस एक्टर के घर के बाहर उनका बर्थडे सेलिब्रेट करते दिखाई दिए। वीडियो में देखा जा सकता है कि फैंस केक काटकर बॉलीवुड के शहंशाह का बर्थडे मना रहे हैं। इस वीडियो को विरल भयानी के इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर किया गया। इस वीडियो में फैंस अमिताभ बच्चन के बर्थडे पर काफी खुश दिखे।

इस अभिनेता ने अपने करियर की शुरुआत वॉयस नैरेटर के तौर पर की थी। इसके बाद उन्होंने एक्टिंग में अपना हाथ आजमाया और फिल्म 'जंजीर' में अमिताभ बच्चन का 'एंग्री यंग मैन' लुक लोगों को काफी पसंद आया। एक्टर ने अपने करियर में सैकड़ों

फिल्में की और उम्र के इस पड़ाव में भी वह लगातार काम कर रहे हैं। अमिताभ बच्चन के इस जज्बे को देखकर आज की युवा पीढ़ी भी उनसे काफी प्रेरणा लेती है। यही कारण है कि केवल देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में अमिताभ बच्चन के करोड़ों फैंस हैं।

अमिताभ के बर्थडे के मौके पर हर साल की तरह इस साल भी 'जलसा' के बाहर फैंस की भीड़ उमड़ी, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। अमिताभ बच्चन हाल ही में फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में नजर आए थे। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी इस फिल्म में अमिताभ बच्चन ने 'अश्वत्थामा' का किरदार निभाया था। फिल्म में एक्टर प्रभास और दीपिका पादुकोण भी लीड रोल में थे। 600 करोड़ रुपये के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई की थी। फिल्म में अमिताभ बच्चन की एक्टिंग को काफी सराहा गया।

रियल बॉक्स

समय के साथ सब बदला, रेखा ही नहीं बदली

हेमंत पाल

लेखक 'सुबह सवेरे' इंदौर के स्थानीय संपादक हैं।

कुछ दिन पहले रेखा ने अपना 70वां जन्मदिन मनाया। उससे पहले रेखा की 'आईफा' के मंच पर डांस करते हुए तस्वीरें मीडिया में छाई थी। इस उम्र का ज्यादातर हिस्सा यानी करीब पचास साल रेखा ने फिल्मों में बिताए। यह अरसा कम नहीं होता। न जीवन में और अभिनय की दुनिया में! इस समय काल में तीन पीढ़ियां जन्म लेकर जवान हो जाती है। यदि फिल्मों की बात की जाए तो इस अरसे में कई हीरो और हीरोइन आकर, पहचान बनाकर गुम हो जाते हैं। याद किया जाए, तो बीते पचास साल में कलाकारों की एक लंबी कतार आगे निकल गई। लेकिन, कोई अपनी जगह खड़ा है, तो वो है अभिनेत्री रेखा, जिसने उम्र को अपनी मुट्ठी में जकड़ लिया। वे अब फिल्मों में काम नहीं करती, पर उनकी लोकप्रियता बरक़रार है। आज भी उतनी ही खूबसूरत दिखती हैं, जितनी 30 साल पहले लगती थी। जबकि, फ़िलहाल वे 69 साल की हैं। उम्र का ये वो पड़ाव है जिसमें व्यक्ति खुद स्वीकार लेता है कि वो बूढ़ा हो गया, पर रेखा नहीं हुई! आज भी जब टीवी पर किसी फंक्शन में दिखाई देती हैं, तो सारे कैमरे उनकी तरफ मुड़ जाते। भारी कांजीवरम साड़ी, हाई हील, चेहरे पर भरपूर मेकअप, मांग में सिंदूर और चेहरे पर वही मुस्कराहट। सब कुछ वैसा ही जो किसी हीरोइन में दर्शक देखना चाहते हैं। लेकिन, बढ़ती उम्र को थामना आसान नहीं हैं। फिर भी रेखा ने यह सब किया।

निःसंदेह रेखा बेहद खूबसूरत है। वे फिल्म इंडस्ट्री की उन हीरोइनों से भी कहीं ज्यादा सुंदर हैं, जिन्हें दुनिया विश्व सुंदरी और ब्रह्मांड सुंदरी के ख़िताब से नवाज चुकी है। उनकी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ में ढेरों उतार-चढ़ाव आए, लेकिन इसका असर उनकी खूबसूरती पर नहीं पड़ा। किंतु, जिन्होंने रेखा को 1970 में आई उनकी पहली फिल्म 'सावन भादों' में देखा था, वे तब और बाद की रेखा में फर्क समझते हैं। सांवली और बेडौल सी उस रेखा में बाद में बहुत फर्क आता गया। खासकर अमिताभ के साथ आई फिल्मों ने उन्हें लोकप्रियता भी दिलाई और शिखर पर पहुंचाया। अमिताभ के साथ उनकी पहली फिल्म 1976 में आई 'दो अनजाने; थी। इसमें रेखा की अदाकारी से ज्यादा अमिताभ के साथ उनकी केमिस्ट्री को पसंद किया गया था। तभी से रेखा और अमिताभ का नाम जोड़कर देखा जाने लगा। दोनों ने कई हिट फ़िल्में साथ की। इनमें मुकद्दर का सिकंदर, खून पसीना, मिस्टर नटवरलाल, गंगा की सौगंध, राम बलराम और सुहाग आई। दोनों की फिल्मों का यह दौर 'सिलसिला' तक चला। अपने 50 साल के करियर में रेखा ने 180 से ज्यादा फिल्मों में काम किया। आज भी उनकी पुरानी फिल्मों को पसंद करने वालों की कमी नहीं है।

रेखा ने अपनी जिंदगी में बहुत से उतार-चढ़ाव देखे। बचपन में पिता का प्यार नसीब नहीं हुआ। रेखा के पिता जेमिनी गणेशन साउथ सिनेमा के सुपरस्टार थे, जिनका अभिनेत्री पुष्पवल्ली से अफेयर था। पुष्पावल्ली ने बिना शादी किए रेखा को जन्म दिया, इस वजह उन्हें बचपन में पिता के प्यार से वंचित रहना पड़ा। वे एक बिन ब्याही मां की संतान थीं। उन्होंने बहुत कम उम्र में तमिल और कन्नड़ फिल्मों में अभिनय करना शुरू कर दिया था। इसके बाद वे हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में आ गई। रेखा का एक्टिंग करियर तो बहुत अच्छा रहा, पर निजी जिंदगी उतनी ही अस्त-व्यस्त रही। यहां तक कि उम्र के इस दौर में भी रेखा की प्रेम कहानियों के किस्से फिल्म इंडस्ट्री में चर्चित हैं। जीवन में कई रोमांस में उनका नाम जुड़ा, 3 शादियां की, फिर भी वे आज अकेली है। यदि उनके साथ कुछ है, तो अनसुलझे किस्से और कहानियां।

इसके अलावा अमिताभ बच्चन से उनके रिश्ते के गॉसिप। ऐसे कई किस्से उनके आसपास हैं, जिनके जवाब कभी बाहर नहीं आए। उनकी दुनिया में सिर्फ उनकी दोस्त, सेक्रेटरी और उनकी राजदां सिर्फ फरजाना ही है। आज भी लोग रेखा का नाम अमिताभ से जोड़कर देखते हैं, पर इसकी सच्चाई कोई नहीं जानता। यदि कोई जानता है तो सिर्फ फरजाना।

यह अभिनेत्री अपनी फिल्मों से ज्यादा अपनी प्रेम कहानियों की वजह से चर्चा में रही। अमिताभ उनकी जिंदगी में आने वाले पहले शख्स नहीं रहे, पर आखिरी जरूर। सबसे पहले रेखा का नाम जितेंद्र से जुड़ा था। लेकिन, जितेंद्र शादीशुदा थे, तो यह रिश्ता ज्यादा नहीं चला, पर चर्चा में जरूर आया। फिर चरित्र अभिनेता जीवन का एक्टर बेटा किरण कुमार और रेखा का रोमांस भी कुछ समय तक चला। इसके बाद रेखा की जिंदगी में आए उनके साथी कलाकार विनोद मेहरा। कहा तो यहां तक जाता है कि विनोद मेहरा और रेखा ने शादी कर ली थी। लेकिन, विनोद मेहरा की मां ने रेखा को स्वीकार नहीं किया। उनका नाम संजय दत्त के साथ भी लिया गया। दोनों जब फिल्म 'जमीन आसमान' में साथ काम कर रहे थे, तब उनके नाम जुड़े, पर संजय दत्त ने ऐसी बातों का खंडन किया था। अक्षय कुमार के साथ भी इस सदाबहार अभिनेत्री का नाम जुड़ा। लेकिन, अमिताभ बच्चन के साथ जब रेखा का नाम जुड़ा तो फिर वो कभी अलग नहीं हो सका। कहा जाता है, कि रेखा आज भी अपनी मांग में जो सिंदूर लगाती है, वो अमिताभ के नाम का ही है। फिल्म इंडस्ट्री ने रेखा को पहली बार सिंदूर लगाए हुए ऋषि कपूर और नीतू सिंह की शादी के रिसेप्शन में देखा था। लेकिन, 40 साल बाद भी अभी रेखा ने यह राज नहीं खोला कि उनकी मांग में लगे सिंदूर का कारण क्या है!

रेखा की जिंदगी में एक पड़ाव मुकेश अग्रवाल के नाम का भी आया। पर, हवा झोंके की तरह आया और चला गया। दिल्ली के इस कारोबारी से रेखा ने 1990 में बकायदा शादी की, पर ये साथ साल भर भी नहीं रहा। संदिग्ध स्थितियों में मुकेश अग्रवाल ने आत्महत्या कर ली। इस तरह इस रिश्ते का दर्दनाक अंत हुआ। आज भी यह राज ही है कि मुकेश अग्रवाल को किस वजह से जीवन से विरक्ति हुई! कहा जाता है कि रेखा को शादी के बाद पता चला था कि मुकेश को मानसिक बीमारी हैं। इसके बाद रेखा ने मुकेश से दूरी बना ली। एक दिन ऐसा भी आया, जब मुकेश अग्रवाल ने आत्महत्या कर ली। मुकेश के परिवार ने इसका दोषी रेखा को ही माना। फिल्म इंडस्ट्री में भी उन्हें 'वैम्प' मान लिया गया। यहां तक कहा गया कि रिश्तों को लेकर उनकी मनहूसियत मौत तक ले जाती है। पहले विनोद मेहरा और उसके बाद मुकेश अग्रवाल। लेकिन, रेखा ने सारे लांछनों को ख़ामोशी से झेल लिया।

रेखा के जीवन की एक अबूझ पहेली उनकी सेक्रेटरी फरज़ाना है। उनसे रेखा के संबंधों को हमेशा संदेह की नजर से देखा जाता रहा है। इसलिए कि 40 साल से ज्यादा समय से फरजाना जितनी रेखा से जुड़ी है, उतना कोई नहीं जुड़ा। वे हेयर ड्रेसर के रूप में रेखा के करीब आई थी, पर आज उनका साया हैं। इन दोनों के रिश्ते पर उंगलियां उठी, पर जवाब किसी के पास नहीं है। रेखा पर 2016 में सामने आई यासिर उस्मान की किताब में भी दावा किया था कि फरजाना को ही रेखा के बेडरूम तक जाने की इजाजत है। इसमें उनकी निजी जिंदगी, रोमांस और शादी को लेकर कई अनसुनी बातें लिखी गई थी। वक़्त के साथ दोनों का रिश्ता गहराता गया। रेखा ने उन्हें 1986 में हेयर ड्रेसर से सेक्रेटरी बना लिया। आज भी अगर किसी को रेखा से मिलना है, तो उसे पहले फरजाना से मिलना पड़ता है। यासिर उस्मान की लिखी रेखा की बायोग्राफी में तो यह भी दर्ज है कि वे अपनी सेक्रेटरी के साथ लिव-इन में रहती हैं। दोनों के रिश्ते पर कई बार सवाल उठ चुके हैं। मुकेश अग्रवाल की भाभी ने तो दोनों के रिश्ते को लेकर यह कह दिया था कि इनका रिश्ता पति पत्नी जैसा है। कहा जाता है कि मुकेश अग्रवाल यदि फरजाना के बारे में रेखा से कुछ कहते थे, तो रेखा नाराज हो जाती थी। यह रिश्ता आज भी सवालों के घेरे में है। रेखा नजदीक से जानने वालों का तो यह भी कहना है कि फरज़ाना का पहनावा कुछ ख़ास तरह है, अमिताभ की तरह का है। क्या इसलिए कि रेखा को हमेशा अमिताभ के अपने आसपास होने का भ्रम बना रहे!

- hemantpal60@gmail.com/ 9755499919

जी-समूह रतन टाटा की जिंदगी पर फिल्म बनाएगा

मशहूर उद्योगपति रतन टाटा का कुछ दिन पहले निधन हो गया। उन्होंने 86 वर्ष की उम्र में दुनिया को अलविदा कहा। टाटा समूह के चेयरमैन ब्लड प्रेशर समेत कई समस्याओं से जूझ रहे थे। रतन टाटा के निधन से पूरा भारत शोक में है। सुभाष चंद्रा ने रतन टाटा की जिंदगी पर एक बायोग्राफिकल फिल्म बनाने का ऐलान किया। उन्होंने कहा कि 'जी ग्रुप ने निर्णय लिया है कि उन पर, उनके जीवन के ऊपर एक बायोग्राफिकल फिल्म बनाई जाएगी, जो कि जी-5 पर तो चलेगी ही, बाकी जी के जितनी भी भाषाओं के नेटवर्क हैं। उन सभी भाषाओं में फिल्म बनेगी। पूरे देश और दुनिया को वियोन के माध्यम से वह फिल्म दिखाई जाएगी।

बिजनेस टायकून को भारत रत्न सम्मान दिलवाने की भी अपील की जा रही है। देश की बड़ी-बड़ी हस्तियां

रतन टाटा को श्रद्धांजलि दे रही हैं। अब जी-समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा ने रतन टाटा के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और रतन टाटा को भावभीनी श्रद्धांजलि दी। जी-समूह के संस्थापक सुभाष चंद्रा ने रतन टाटा के निधन पर अपना दुख व्यक्त किया।

उन्होंने रतन टाटा संग अपने रिश्तों को लेकर कहा कि बहुत लोगों को यह मालूम नहीं है कि एक मीडिया का प्रमोटर होने के नाते, वह मुझसे बहुत आशाएं रखते थे और कहते भी थे। इस वजह से कुछ विषयों पर वे मुझसे सलाह भी करते थे। मैं भी कुछ चीजों पर उनसे सलाह लेता था। वे बड़े ही बेबाक किस्म के व्यक्ति थे। उनको जो चीज जंची, ठीक लगी तो हां कहते थे, नहीं तो ना भी कहते। कभी-कभी वे डांट भी देते थे। उनकी इस तरह की पर्सनालिटी थी। उन्हें सच्चा मित्र कह सकते हैं। क्योंकि, सच्चा मित्र ही आपको डांट सकता है। मेरा उनसे इसी तरह का बॉन्ड था।

तलाक के बाद करियर पर फोकस करेंगी उर्मिला

लंबे समय से लाइम लाइट रही उर्मिला मातोंडकर अचानक की खबरों में आ गई। शादी के बाद उर्मिला मातोंडकर बॉलीवुड से जैसे गायब ही हो गई थीं। शादी के 8 साल बाद उर्मिला मातोंडकर ने एक बार फिर से सुर्खियां बटोरनी शुरू कर दी। खबर है कि उर्मिला मातोंडकर की पर्सनल लाइफ में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा, जिसके चलते उन्होंने तलाक लेने का फैसला किया है। कुछ समय पहले ही उर्मिला मातोंडकर और उनके पति मोहसिन अख्तर मीर ने कोर्ट में तलाक की अर्जी दी है। इस खबर ने उर्मिला मातोंडकर के फैंस को सकते में डाल दिया है। लोग समझने की कोशिश कर रहे हैं कि शादी के 8 साल बाद ऐसा भी क्या हो गया

जो उर्मिला मातोंडकर को अपनी शादी ही तोड़ने की नौबत आ गई। उर्मिला मातोंडकर ने चार महीने पहले कोर्ट में तलाक की अर्जी दी थी। वहीं एक रिपोर्ट में कहा जा रहा है कि उर्मिला मातोंडकर और मोहसिन अख्तर मीर का तलाक आपसी रजामंदी में नहीं हो रहा है। मोहसिन अख्तर मीर तलाक के लिए तैयार नहीं हैं। शादी के बाद उर्मिला मातोंडकर ने राजनीति में भी कदम जमाने की कोशिश की थी। हालांकि चुनाव हार जाने के बाद उर्मिला मातोंडकर ने राजनीति से भी दूरी बना ली। खबर है कि उर्मिला मातोंडकर अब अपने बॉलीवुड करियर पर फिर से फोकस करने वाली हैं।

बताया जा रहा है कि उर्मिला मातोंडकर ने काफी सोच समझ कर अपनी शादी को तोड़ने का फैसला किया है। धर्म की दीवार को गिराते हुए उर्मिला मातोंडकर ने साल 2016 में जाने माने बिजनेसमैन और मॉडल मोहसिन अख्तर मीर के साथ शादी की थी। उर्मिला मातोंडकर के इस फैसले ने सबको चौंका दिया था।

सिनेमा ने बदल दिया 'करवा चौथ' का रूप

अशोक जोशी

करवा चौथ को कुछ साल पहले तक सामान्य व्रत की तरह किया जाता था। लेकिन, जब हिन्दी फिल्मों में करवा चौथ को बड़े परदे पर दिखाना शुरू किया, तभी से परिवारों में मनाए जाने इस पर्व में भव्यता के

दर्शन होने लगे। करवा चौथ को लोकप्रिय बनाने में हिंदी सिनेमा का बहुत बड़ा योगदान है। 80 के दशक से फिल्मों में करवा चौथ का चलन लोकप्रिय होने लगा, जिसका आम महिलाओं पर भी इतना प्रभाव पड़ा कि वे भी बिल्कुल फिल्मी बन गईं। समाज का एक अनकहा सा दबाव फैशन में तब्दील हो गया।

हिंदी फिल्मों ने करवा चौथ को ग्लैमरस, फैशनेबल और फेमस बना दिया। आज भी महिलाएं इस व्रत को रखती हैं, लेकिन अंदाज बदल गया। पूरा दिन भूखा रहने के बावजूद उनके चेहरे पर गजब का उत्साह देखने को मिलता है। पतिव्रता का ठप्पा लगाए सजी-संवरी पति की लंबी उम्र की दुआ मांगती हैं। साथ ही वे सामाजिक प्रतिष्ठा को बनाए रखने में गर्व महसूस करती हैं। कुछ ऐसी फिल्में हैं, जिसमें करवा चौथ के व्रत को बढ़ा-चढ़ाकर परदे पर पेश किया गया। इसका असर यह हुआ कि अब तक इस व्रत से अनजान पुरुष पर भी फिल्मी करवा चौथ के रंग में रंगे नजर आने लगे।

सिनेमा में सबसे पहले फिल्म 'बहू बेटी' में करवा चौथ का व्रत दिखाया गया था। इस फिल्म का गाना 'करवा चौथ का व्रत ऐसा' सबसे पहला ऐसा गाना है जो माला सिन्हा और मुमताज पर फिल्माया गया था। बीते जमाने की श्वेत श्याम बहू बेटी के इस गाने में सभी महिलाएं गाती.बजाती.झूमती और अपने पति की लंबी उम्र की दुआ मांगती नज़र आती है। 90 के दशक में शाहरुख खान और काजोल की फिल्म 'दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे' ने करवा चौथ का स्वरूप ही बदल दिया। फिल्म में करवा चौथ प्रसंग में काजोल इस व्रत को रखने के दौरान बेहोश होने का नाटक करती है और अपने प्रेमी शाहरुख खान के हाथ से पानी पीती है। व्रत की पूजा के बाद दोनों एक दूसरे को प्यार से खाना भी खिलाते हैं। राज और सिमरन का ये सीन आज भी याद किया जाता है। इसके साथ ही इस अवसर पर फिल्माया गया गीत 'घर आजा परदेसी' आज भी करवाचौथ पर सुनाई पड़ता है।

राजश्री फिल्म्स ने तो फिल्मों के माध्यम से शादी जैसे संस्कार को एक महोत्सव में बदलने का काम किया है। उनकी ही फिल्म 'हम आपके हैं कौन' में सलमान और माधुरी दीक्षित के करवा चौथ का सीक्वेंस बहुत ज्यादा रोमांचित करता है। इसकी भव्यता ने करवा चौथ को जो जगमगाहट दी, वह आज भी कायम है। इस परम्परा को करण जौहर ने भव्यता से आगे बढ़ाने का काम किया। फिल्म 'कभी खुशी कभी गम' में करवाचौथ का व्रत बड़े ही भव्य अंदाज में फिल्माया गया। इस सीन में तीन फिल्मी जोड़ियों को एक साथ व्रत रखते हुए दिखाया जाता है। अमिताभ-जया, शाहरुख-काजोल और ऋतिक-करीना पर करवा चौथ का दृश्य शूट किया गया। इस सीन में खास बात है कि इस व्रत में पूरे परिवार को साथ रखते हुए दिखाया गया है। साथ ही महल जैसे घर

में बैक ग्राउंड में काफी लोग झूमते नज़र आते हैं।

शाहरूख और ऋतिक रोशन का डांस भी देखने लायक है। 'हम दिल चुके सनम' में करवा चौथ के दृश्य को सलमान और ऐश्वर्या के साथ कलात्मक रूप से भव्यता देकर फिल्मांकित किया है। इस फिल्म के दौरान सलमान और ऐश्वर्या के बीच प्यार पनपा था। 'चांद छुपा बादल में' गीत में सलमान और ऐश्वर्या की केमिस्ट्री देखने लायक है। शायद यह पहली और अकेली ऐसी फिल्म होगी, जिसमें करवा चौथ को दो बार फिल्माया गया। पहली बार तब जब ऐश्वर्या सलमान से प्यार करती है, दूसरी बार जब वो अजय देवगन की पत्नी बन चुकी होती है।

अमिताभ और हेमा मालिनी अभिनीत फिल्म 'बाबुल' में इस फिल्म के करवा चौथ में दिलचस्प बात ये है कि इसमें लीड एक्टर्स अपनी अपनी पत्नियों के लिए व्रत रखते है। सलमान खान इस मौके अपने माता -पिता यानी हेमा मालिनी और अमिताभ बच्चन को एक खुशखबरी और देते हैं कि रानी मुखर्जी मां बनने वाली हैं। व्रत की खुशी दोगुनी हो जाती है और एक भावनात्मक पहलू भी सामने आता है। रानी अपने ऑनस्क्रीन पति सलमान खान को सात जन्मों तक पाने के लिए करवा चौथ का व्रत रखती है।

राजा हिंदुस्तानी में करवा चौथ का सीन काफी रोमांचक है। इसमें करिश्मा अपने पति के साथ मनमुटाव होने पर अपने मायके रहने के लिए चली जाती है। वहीं भीगी आंखों से अपने पति की लंबी उम्र के लिए व्रत रखती है। लेकिन, अजीब इत्तेफाक होता है कि आमिर खान का भी इसी दिन करिश्मा से टकराना हो जाता है। इश्क-विश्क में अमृता राव, शाहिद कपूर के लिए व्रत रखती हैं। हालांकि, शाहिद अपनी हीरोइन से फ्लर्ट कर रहे होते हैं। लेकिन, जब उनको ये पता चलता है कि अमृता ने करवा चौथ के लिए रखा है तो अचानक ही शाहिद के मन में अमृता के लिए भावनाएं उमड़ आती हैं। दोनों नोक-झोंक के साथ इस व्रत को पूरा करते हैं। इमरान हाशमी की फिल्म 'जहर' में किसी तीसरे को लेकर तनाव आ जाता है। लेकिन, निर्माता ने करवा चौथ के प्रसंग के माध्यम से दो प्यार करने वाले पति-पत्नी के बीच के जुड़ाव स्थापित करने का प्रसंग बनाकर करवा चौथ की प्रासंगिकता को बढाने का काम किया।

करवा चौथ के गुदगुदाने वाले दृश्यों के बीच रवि चौपडा निर्देशित 'बागबान' में करवा चौथ का मार्मिक फिल्मांकन आंखे नम कर जाता है। फिल्म में अमिताभ बच्चन और हेमा मालिनी अपने-अपने घर बच्चों के साथ अलग रहते हैं। हेमा मालिनी अपने पति अमिताभ के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं। लेकिन, दूर होने की वजह से अमिताभ से फोन पर ही बात करते हुए करवा चौथ का व्रत पूरा करती हैं। इस दृश्य में एक दूसरे के लिए प्यार और स्नेह बस देखते ही बनता है। पति-पत्नी का एक ऐसा रिश्ता जिसे किसी भी और चीज की दरकार नहीं होती। इस सीन में खुद अमिताभ भी हेमा के लिए व्रत रखते हैं और तब तक पानी नहीं पीते, जब तक चांद नहीं निकल आता। ये सुनते ही हेमा की आंखों में आंसू आ जाते हैं। यह सही है कि समय के साथ समाज में करवा चौथ का स्वरूप बदला है और इस बदलाव में हिंदी सिनेमा का बहुत बड़ा हाथ है।

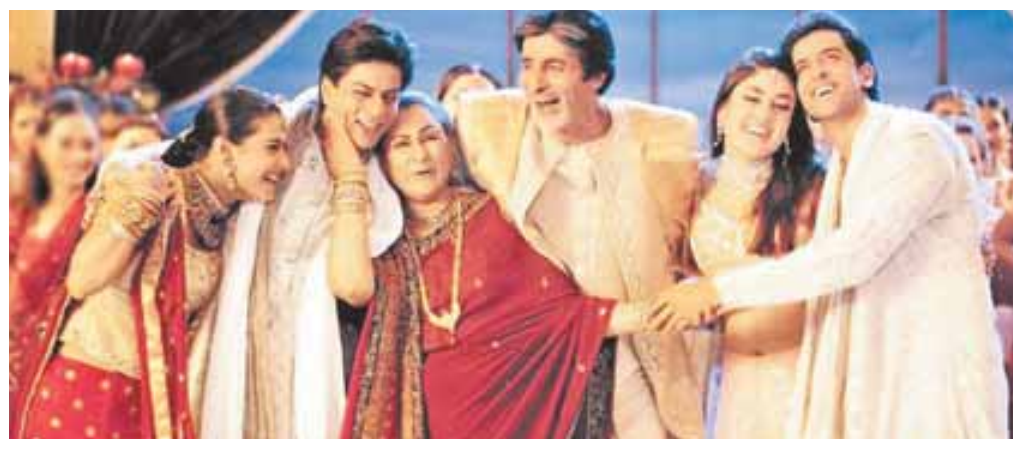

हवाई सेवाओं का विस्तार
मध्यप्रदेश विकास की नई उड़ान को तैयार
₹450 करोड़ लागत के
रीवा एयरपोर्ट
का
लोकार्पण
नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री
डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री
प्रधानमंत्री
नरेन्द्र मोदी
द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)
गरिमामयी उपस्थिति
डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश
20 अक्टूबर, 2024 | अपराह्न 2:00 बजे
Rewa Airport
रीवा हवाई अड्डा
मध्यप्रदेश में निरंतर बढ़तीं वायु सेवाएं
6 विमानतल
25 हवाई पट्टियां
हवाई अड्डों का आधुनिकीकरण
पीएमश्री एयर एम्बुलेंस सेवा
पीएमश्री पर्यटन वायु सेवा
पीएमश्री धार्मिक पर्यटन हेली सेवा
D-11087/24
सीधा प्रसारण
https://pmindiawebcast.nic.in
@Cmmadhyapradesh
@jansampark.madhyapradesh
@Cmmadhyapradesh
@jansamparkMP
JansamparkMP
#RewaTakesFlight
मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी
आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2024